दैनिक

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

साकार भारत

वर्ष : 3 अंक : 228 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, शनिवार 05 सितंबर, 2026 | www.sakarbharat.com

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास जरूरी :राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में अभी और बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। तकनीक के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुंचाने का वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है।

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम को उल्लेखनीय योगदान के लिए किया सम्मानित

राज्यपाल डेका से आज लोक भवन में वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीम के सभी सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। टीम की उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने पर उन्होंने सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शारदा ने 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम द्वारा दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अभिनव अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका सुश्री के. शारदा के नेतृत्व में हुई। सुश्री शारदा स्वयं अब तक 1,800 से अधिक

ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी हैं। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ इस कार्य में योगदान दे रहे हैं।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने समान अवसर

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ऑडियो के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि अधिक से अधिक दृष्टिबाधित विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल को 8 लाख से अधिक बार देखा गया

वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर 107 से अधिक प्लेलिस्ट उपलब्ध हैं और इसे अब तक 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम द्वारा विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित एवं उपयोगी अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा सहित वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

SHORT NEWS

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धः ओ.पी.चौधरी

रायगढ़। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीणों की आवश्यकताओं और मांगों को प्राथमिकता देते हुए गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने ग्राम घुटकूपाली में 15 लाख रुपए की लागत से प्राथमिक शाला भवन निर्माण तथा 7 लाख 60 हजार रुपए की लागत से पंचायत भवन के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया।

देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक : पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम दुर्ग जिले के उरला (कुम्हारी) स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (देवभोग) द्वारा आयोजित दुग्ध किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और अटूट विश्वास का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपनी शुद्धता के बल पर देश में एक विशिष्ट पहचान कायम की है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री नेताम ने उरला दुग्ध संयंत्र में नवीन कैंटीन का उद्घाटन किया तथा दुग्ध संयंत्र की विभिन्न प्रणालियों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया। पशुधन विकास मंत्री नेताम ने पशुपालकों के लिए तैयार विशेष मार्गदर्शिका पुस्तिकाओं, देवभोग के रेडियो जिंगल, रिंगटोन एवं प्रेरक गीत का औपचारिक विमोचन किया। डेयरी क्षेत्र को नई दिशा देने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना है, ताकि किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि हो सके।

50 सीटों के साथ इसी सत्र से शुरू हुआ कवर्धा मेडिकल कॉलेज

कवर्धा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले जिले के प्रथम छात्र हिमांशु को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने फोन कर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

सहसपुर लोहारा के हिमांशु देवांगन ने मेडिकल कॉलेज के प्रथम सत्र में लिया प्रवेश, बना गौरव का अवसर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले जिले के प्रथम छात्र सहसपुर लोहारा निवासी श्री हिमांशु देवांगन से महानदी भवन नवा रायपुर से फोन पर बातचीत कर उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कवर्धा मेडिकल कॉलेज में इसी शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत हो रही है और संयोग से कॉलेज के प्रथम सत्र में प्रवेश लेने वाला छात्र कवर्धा जिले का ही निवासी है। जिले के लिए यह गौरव का विषय है कि कवर्धा में चिकित्सा शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत जिले के ही प्रतिभावान विद्यार्थी के प्रवेश के साथ हुई है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने छात्र से बातचीत के दौरान उसकी स्कूली शिक्षा, नीट परीक्षा की तैयारी और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए हुई काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। हिमांशु ने बताया कि उसने कक्षा 12वीं में 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं तथा नीट परीक्षा में 512 अंक हासिल किए। नीट की तैयारी के लिए उसने भिलाई में कोचिंग भी ली। बातचीत के दौरान छात्र ने मेडिकल शिक्षा को लेकर अपनी रुचि और आगे की पढ़ाई के संबंध में भी जानकारी साझा की।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने हिमांशु का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत और उपलब्धियों से माता-पिता एवं परिवार के सपनों को पूरा करने के साथ जिले का नाम भी रोशन करें। उप मुख्यमंत्री ने हिमांशु को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें। अपनी शिक्षा और अनुभव का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए करने का प्रयास करें, ताकि आपकी सफलता का लाभ समाज और स्थानीय लोगों तक भी पहुंच सके।

महिलाओं के संपत्ति अधिकार को मजबूत कर रही विष्णु भैया की सरकार, रजिस्ट्री में मिल रही 50 प्रतिशत की छूट

रायपुरमु। ख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी की पहल से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिलाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महिलाओं के पक्ष में अचल संपत्ति के अंतरण से संबंधित दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का सीधा लाभ अब प्रदेश की महिलाओं को मिल रहा है। रायगढ़ की श्रीमती शर्मिला मिश्रा ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए जमीन की रजिस्ट्री कराई, जिससे उन्हें करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार महिलाओं के नाम पर जमीन एवं अन्य अचल संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क की दर को आधा कर दिया गया है। पहले संपत्ति के बाजार मूल्य के आधार पर 4 प्रतिशत की दर से पंजीयन शुल्क लिया जाता था, जिसे अब महिलाओं के पक्ष में होने वाली रजिस्ट्री के लिए घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है। इस निर्णय से महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने और संपत्ति में उनकी भागीदारी बढ़ाने को प्रोत्साहन मिल रहा है। रायगढ़ निवासी शर्मिला मिश्रा ने सरकार की इस सुविधा का लाभ लेते हुए जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम कराई। पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट मिलने से उन्हें करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने बताया कि सरकार का यह निर्णय महिलाओं के लिए आर्थिक रूप से राहत देने वाला है। इससे न केवल रजिस्ट्री का खर्च कम हुआ है, बल्कि महिलाओं के नाम पर संपत्ति होने से उनके आर्थिक अधिकार और सामाजिक सुरक्षा भी मजबूत होती है।

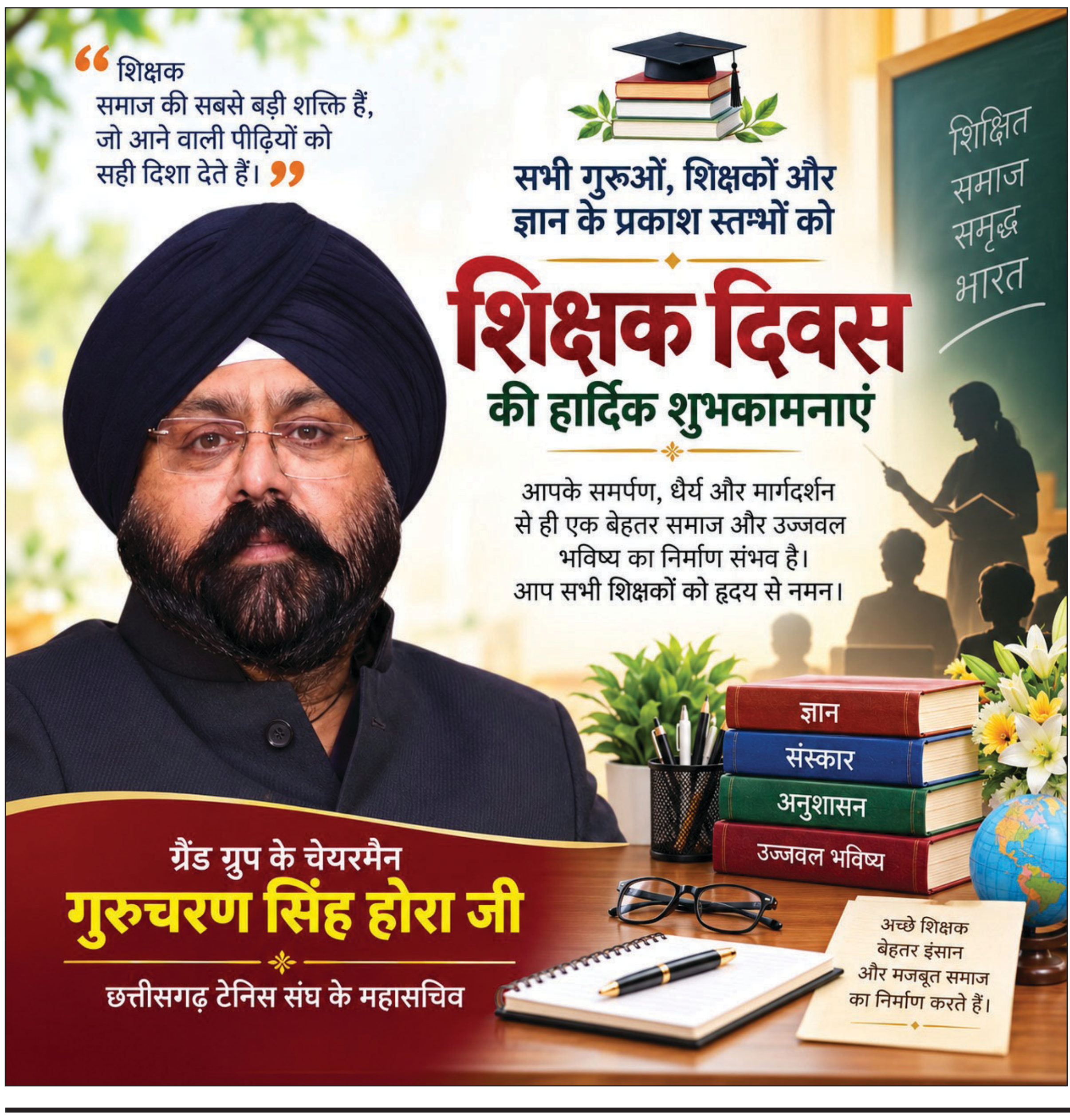

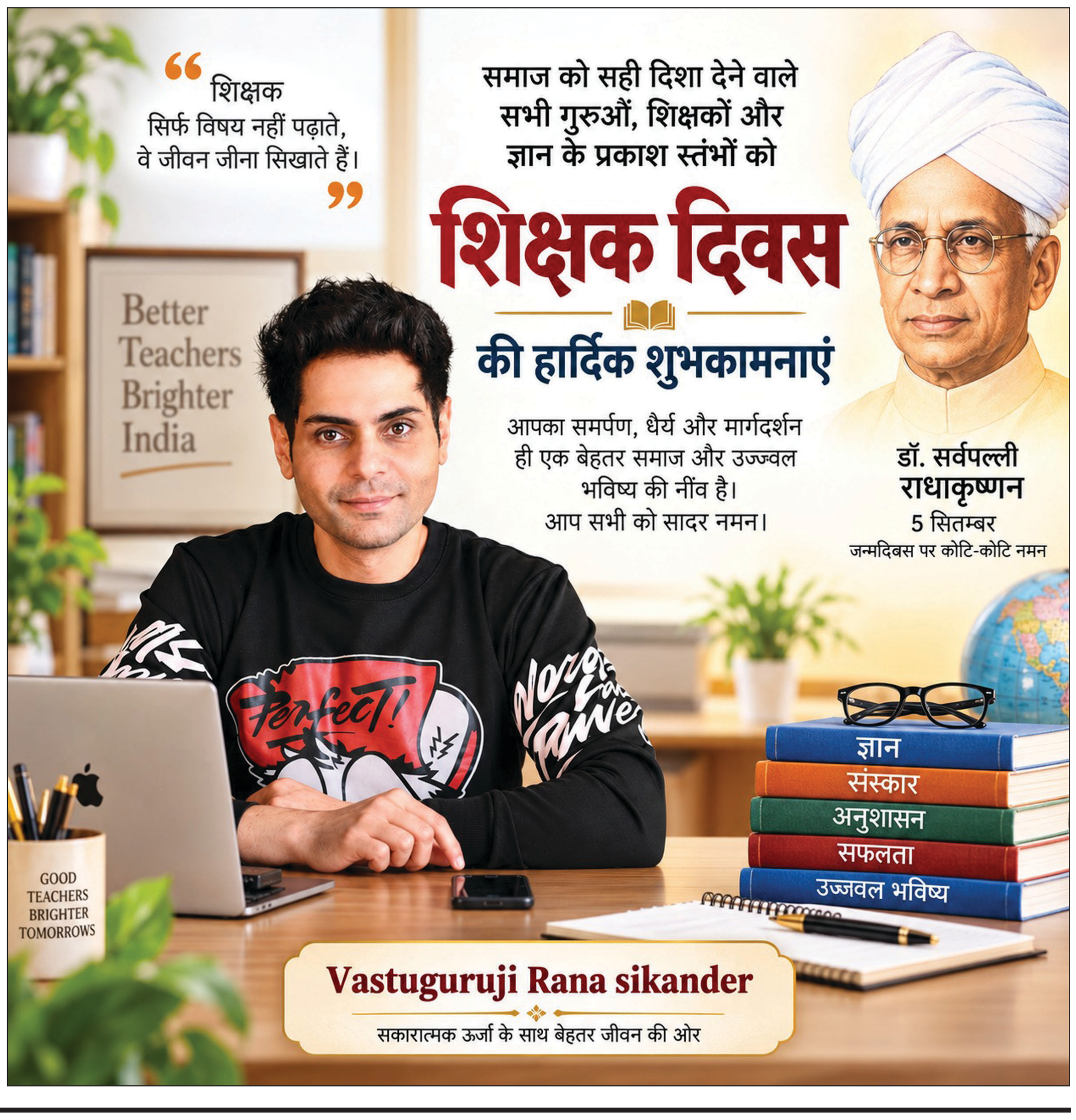

नौकरी लगाने का झांसा देकर विगत 04 वर्षों से कर रहा था शारीरिक शोषण

राजनांदगांव । मानं पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव सु अंकिता शार्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशरीनंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना छुरिया के अपराध क्रमांक 163/2026 के आरोपी मोहम्मद सफदर खान को छुरिया पुलिस ने नौकरी दिलवाने का झांसा देकर लगातार 04 वर्षों से पीडिता का शारीरिक शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया। मामले में आरोपी मोहम्मद सफदर खान ने पीडिता को वन रक्षक का फार्म भरी हो कहकर उसका प्रवेश पत्र मांगा और वन विभाग में नौकरी लगाने का झांसा देकर पीडिता के पिता से 43000/-रूपये भी ले लिये उसके बाद आरोपी मोहम्मद सफदर खान के द्वारा जब वह अपने घर पर अकेला था तो पीडिता को अपने घर फोन के माध्यम से बुलाया और पीडिता के हाथ को खिचकर अपने घर के कमरे के अंदर खिचकर दरवाजा बंद कर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया व धमकी दिया की इस घटना को अपने मम्मी पापा को बताया तो जान से मार दूगां। घटना के बाद आरोपी के द्वारा पीडिता के साथ लगातार जान से मारने की धमकी देकर पीडिता का शारीरिक शोषण करता रहा पीडिता के द्वारा मना करने पर आरोपी द्वारा माँ बहन की अश्लील गांली गलौज किया करता था। आरोपी मो सफदर खान पीडिता को अपने कार में बिठाकर कार के अंदर डरा धमका कर बदनाम करने के नाम पर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया करता था। आरोपी के द्वारा पीड़िता का शारीरिक शोषण करने के आरोप मे आरोपी मो सफदर खान को दिनांक 01.09.2026 के 19:15 बजे समक्ष गवाहन मुताबिक गिरफतारी पत्रक के गिरफतार किया गया और आरोपी मोहम्मद सफदर खान को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

नौकरी के नाम पर 50 हजार की ठगी का आरोप, प्रणव अवस्थी पर एफआईआर

बलौदाबाजार । फर्जी स्थानांतरण आदेश मामले में जेल में बंद पूर्व भाजपा जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी के पुत्र प्रणव अवस्थी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शराब दुकान में सेल्समैन की नौकरी दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपए लेने के आरोप में सिटी कोतवाली पुलिस ने प्रणव अवस्थी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बैंक लेन-देन, मोबाइल और व्हाट्सऐप पर हुई बातचीत सहित अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। 1.50 लाख खर्च बताया, 50 हजार लिए एफआईआर के अनुसार महासमुंद जिले के ग्राम खेमड़ा निवासी कलश राम ध्रुव की अप्रैल 2026 में प्रणव अवस्थी से पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान प्रणव ने शराब दुकान में सेल्समैन की नौकरी लगवाने की बात कही और इसके लिए करीब 1.50 लाख रुपए खर्च होने की जानकारी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नौकरी की उम्मीद में उसने अलग-अलग समय पर प्रणव को कुल 50 हजार रुपए दिए। शिकायत के मुताबिक, नौकरी से संबंधित दस्तावेज भी व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजे गए थे। बाद में नौकरी नहीं लगने पर जब उसने रकम वापस मांगी तो कथित तौर पर लगातार आश्वासन मिलता रहा।

कृष्णं वंदे जगतगुरूम् लिखी हुई ध्वजा को लहराकर महापौर मधुसूदन यादव ने बाईक रैली को किया रवाना

■ **श्री कृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर सर्व यादव समाज ने निकाली भव्य बाईक रैली**

राजनांदगांव (महाकोशल)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर सर्व यादव समाज राजनांदगॉव द्वारा राजनांदगॉव शहर में भव्य बाईक रैली निकालकर अपने आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रारंभ एक दिवस पहले ही कर दिया गया है। इस बाईक रैली को राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव ने प्रारंभ स्थल स्टेट स्कूल ग्राउण्ड से पीले रंग की ध्वज पताका लहराकर नगर भ्रमण के लिये रवाना किया जिसपर यादव समाज के आराध्य भगवान श्री कृष्ण का चित्र एवं श्लोक ''कृष्णं वंदे जगतगुरूं'' अंकित था, जिसका अर्थ है ''मैं भगवान श्री कृष्ण को प्रणाम करता हूँ, जो इस ब्रह्माण्ड के गुरू और सार्वभौमिक शिक्षक हैं। इस वैदिक श्लोक को 4 सितम्बर श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं 5 सितम्बर शिक्षक दिवस से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सर्व याादव समाज की इस विशाल बाईक रैली में राजनांदगॉव जिले के झेरिया, कोसरिया एवं ठेठवार यादव समाज के सामाजिक सदस्यों ने सहभागिता की और समाजिक एकजुटता, समरसता एवं बन्धुत्व का परिचय दिया। यह विशाल बाईक रैली शाम 4 बजे स्टेट स्कूल मैदान से नगर भ्रमण के लिये रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गो में लगभग दो घंटे भ्रमण करने के पश्चात् शाम 6 बजे के .लगभग वापस स्टेट स्कूल ग्राउण्ड पहुँचकर समाप्त हुई। यह

बाईक रैली मुख्यत: शहर के महावीर चौक, गुरूद्वारा चौक, मानव मंदिर चौक, बसंतपुर थाना चौक, भारत माता चौक, दिल्ली दरवाजा चौक, सुरजन वकील गली, अग्रसेन (काली माता मंदिर) चौक, गंज चौक, नंदई चौक, क्लब चौक बसंतपुर, स्टेडियम चौक, मोतीपुर, रामनगर, मुदलियार कॉलोनी, शंकरपुर, शिवनगर, प्रेस क्लब चिखली से ओव्हरब्रिज होकर वापस स्टेट स्कूल मैदान पहुँचकर विराम ली। बाईक रैली में सर्व यादव समाज के युवा, बुजुर्ग, पुरूष एवं महिलाओं की बढ़चढ़कर सहभागिता रही जिसमें पुरूष वर्ग मुख्यत: सफेद रंग के परिधान में एवं महिला वर्ग लाल रंग के परिधान में उत्साह एवं उमंग के साथ सामाजिक एकजुटता का परिचय देते दिखे।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

■ **फल व सामग्री भेंट कर लिया आशीर्वाद**

बालोद (महाकोशल)। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने आज अपने जन्मदिन के अवसर पर संवेदनशीलता और सादगी की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने आदमाबाद स्थित समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताया और उनसे आशीर्वाद लिया। कलेक्टर मिश्रा ने आश्रम में निवासरत सभी बुजुर्गों को ताजे फल एवं दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री भेंट की। उन्होंने प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक से व्यक्तिगत रूप से आत्मीय संवाद स्थापित किया और उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या तथा खान-पान की सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने आश्रम प्रबंधन को सभी

अंतवासियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनका सम्मान व देखभाल करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। कलेक्टर मिश्रा को अपने बीच पाकर और उनसे आत्मीय दुलार प्राप्त कर वृद्धा आश्रम के बुजुर्ग प्रसन्नचित हुए। उन्होंने मिश्रा को दीर्घायु व सफल जीवन का स्नेहपूर्ण आशीर्वाद दिया।

ट्रिपल इंजन की सरकार... फिर भी खैरागढ़ की विकास गाड़ी 'न्यूट्रल' में

खैरागढ़ । खैरागढ़ नगर पालिका में इन दिनों विकास की रफ्तार देखकर लगता है कि शहर की गाड़ी में इंजन तो तीन हैं, लेकिन शायद एक्सीलेटर ढूंढने वाला कोई नहीं! नगर के हर वार्ड में गंदगी, जगह-जगह कचरे के ढेर, आवारा पशु, खराब सड़कें और बंद स्ट्रीट लाइटें शहर की व्यवस्था की कहानी खुद बयां कर रही हैं। जनता सवाल कर रही है कि जब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार है, तो फिर खैरागढ़ की विकास गाड़ी आखिर किस स्टेशन पर खड़ी है?

शहर में प्रवेश करते ही स्वागत के लिए सबसे पहले गड्ढे नजर आते हैं। यानी खैरागढ़ आने वालों के लिए नगर पालिका की ओर से मानो 'फ्री ऑफ कॉस्ट झटका सेवा' उपलब्ध है। इसके बाद शहर की गलियों में घूमते हुए आवारा पशु और जगह-जगह फैली गंदगी व्यवस्था की तस्वीर

दिखाती है। उमराव पुल की स्ट्रीट लाइटें करीब पखवाड़े से बंद होने की बात सामने आ रही है। सवाल यह है कि लाइट बंद है या व्यवस्था की 'रोशनी' ही बुझ गई है? शहर तेजी से अतिक्रमण की चपेट में आने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। लोगों का आरोप है कि कार्रवाई छोटे दुकानदारों और गरीबों पर तो होती है, लेकिन बड़े अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाती है। बस स्टैंड का यात्री प्रतीक्षालय भी बदहाली का शिकार बताया जा रहा है। यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और परिसर में गंदगी की शिकायतें हैं। बाहर से आने वाला यात्री शहर की सुंदरता देखने से पहले शायद नगर की 'व्यवस्था' का नमूना देख लेता है। सबसे चर्चित मामला नगर पालिका कार्यालय का बिजली कनेक्शन कटने का रहा। बिजली बिल भुगतान को लेकर लंबे समय से बकाया राशि और करीब 4 करोड़ रुपये की वसूली की चर्चा ने नगर की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। बिजली कटने के बाद पालिका का कामकाज प्रभावित होने की बात भी सामने आई, जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

अध्यक्ष लोकेश कावड़िया जी ने कहा - सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है

बालोद । जिले के दल्लीराजहरा नगर के वार्ड नंबर 03 वल्लभ नगर में महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा लगभग 100 जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क वस्त्र वितरित किए गए। संस्था का मूल उद्देश्य सेवा, संस्कार एवं स्वावलंबन की भावना को साकार करना है, इसी उद्देश्य के साथ यह सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (राज्यमंत्री दर्जा) लोकेश कावड़िया जी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर लोकेश कावड़िया ने कहा कि महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय

और प्रेरणादायक है। संस्था का मूल मंत्र सेवा, संस्कार और स्वावलंबन ही हमारे जीवन का आधार होना चाहिए। जब हम नि:स्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा करते हैं तो यही सच्ची मानव सेवा कहलाती है। बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार डालना बहुत जरूरी है, ताकि वे आगे चलकर एक अच्छे नागरिक बन सकें। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना बढ़ती है और समाज स्वावलंबी बनता है। मैं स्द्धस्ह परिवार को इस पुनीत कार्य के लिए हृदय से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि संस्था आगे भी इसी प्रकार सेवा कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध संचालक पंकज वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे पिंटू , समिति के सदस्य स्वाधीन जैन, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के अंकित टांटिया, पूर्व पार्षद मोनू सोमेश जायसवाल एवं हितेश जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तहसील, एसडीएम कार्यालय, जनपद और पुलिस थाना जाने का मुख्य मार्ग बना परेशानी का कारण

छुईखदान। नगर की प्रमुख सड़कों पर इन दिनों आवारा पशुओं का जमावड़ा लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। खासकर तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, जनपद पंचायत, थाना और न्यायालय की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर दिनभर पशुओं का कब्जा रहता है। सड़क के बीचों-बीच बैठे और घूमते पशुओं के कारण वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यह मार्ग नगर के महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालयों को जोड़ता है। यहां प्रतिदिन अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण और आम नागरिक अपने काम से पहुंचते हैं। इसके अलावा स्कूली बच्चों के आने-जाने का भी यह प्रमुख मार्ग है। ऐसे में सड़क पर पशुओं के बैठे रहने से कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

आए दिन हो रहे हादसे

नगरवासियों का कहना है कि

सड़क पर अचानक पशुओं के सामने आ जाने से वाहन चालक अपना संतुलन खो देते हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार भी हो चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा पशुओं को सड़क से हटाने और उनके लिए उचित व्यवस्था करने की दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है ।जिसे लेकर छेत्र में नाराजगी देखी जा रही ही । सायकल मोटर सायकल में रखे समान थैला वगैरह से समान खींच कर खा जाते है। आम नागरिक जिसे लेकर बहुत तकलीफ में है। जिस मार्ग पर दिनभर तहसील, एसडीएम कार्यालय, जनपद पंचायत, थाना और कोर्ट से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आना-जाना लगा रहता है, उसी मार्ग पर पशुओं का खुलेआम जमावड़ा जिम्मेदार व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नगरवासियों का कहना है कि जब प्रमुख शासकीय कार्यालयों के सामने ही यह स्थिति है तो शहर के अन्य हिस्सों में व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है।

घास जमीन का हवाला देकर गरीब को नहीं मिल रहा पीएम आवास, टूटे खपरैल में रहने को मजबूर भूमिहीन सतीश का परिवार

■ **5 साल से बिजली कटी, सर्प-बिच्छू के साये में जीने में मजबूर**

बालोद । एक तरफ सरकार हर घर बिजली और सबको पक्का मकान का नारा देती है, वहीं जमीनी हकीकत इसके उलट है। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम पंचायत चिचबोड़ से एक ऐसा मामला सामने आया है, जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देने वाला है। यहाँ के निवासी सतीश कुमार गेंडले (पिता स्व. गैदलाल) का परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर है।

5 साल से अंधेरे में परिवार, सर्प-बिच्छू का बना रहता है खौफ

पीड़ित परिवार की मुसीबतें सिर्फ टूटे मकान तक सीमित नहीं हैं। आर्थिक तंगी के कारण पिछले 5 वर्षों से बिजली बिल बकाया होने की वजह से विद्युत विभाग ने घर का कनेक्शन

काट दिया है। पूरा परिवार पिछले 5 साल से घनघोर अंधेरे में रातें काट रहा है। कच्चे और जर्जर मकान में अंधेरे के कारण हमेशा जहरीले सर्प और बिच्छू का डर बना रहता है। परिवार हर पल किसी अनहोनी के साये में जीने को विवश है।

कभी भी गिर सकता है जर्जर आशियाना, बरसात में भर जाता है पानी

सतीश कुमार का एक कमरे का कच्चा खपरैल मकान पूरी तरह से ढहने की कगार पर है। मकान का एक हिस्सा पूरी तरह टूट चुका है, जिससे बरसात के दिनों में पूरे घर में पानी भर जाता है। वर्तमान स्थिति ऐसी है कि यह जर्जर मकान कभी भी भरभराकर गिर सकता है, जिससे परिवार के जान-माल को बड़ा खतरा है। खुद की लागत से मकान बनाना इस भूमिहीन परिवार के लिए असंभव है, इसलिए वे पूरी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना पर आश्रित हैं।

घास जमीन होने के कारण आवास देना संभव नहीं : सरपंच भागवत साहू

इस पूरे गंभीर मामले पर जब ग्राम पंचायत चिचबोड़ के सरपंच भागवत साहू से सीधा संपर्क किया गया, तो उन्होंने पंचायत की लाचारी जाहिर की। सरपंच ने स्पष्ट तौर पर बताया, पीड़ित परिवार वर्तमान में जिस जमीन पर रह रहा है, वह राजस्व रिकॉर्ड में घास जमीन (शासकीय भूमि) दर्ज है। सरकारी नियमों के तहत घास जमीन पर प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करना संभव नहीं है।

प्रशासन से विशेष पहल की उम्मीद

सरपंच के इस बयान से साफ है कि तकनीकी नियमों के कारण एक गरीब परिवार व्यवस्था की भेंट चढ़ रहा है। अब गेंद बालोद जिला प्रशासन और कलेक्टर के पाले में है। ग्रामीणों और समाजसेवियों ने मांग की है कि प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए इस बेघर और भूमिहीन परिवार को तत्काल आबादी पट्टा या वैकल्पिक भूमि आवंटित करनी चाहिए, ताकि इन्हें पीएम आवास और बिजली का कनेक्शन मिल सकें।

भाजपा जांजगीर-चांपा जिला कोर कमेटी की बैठक संपन्न

जांजगीर-चांपा भारतीय जनता पार्टी जांजगीर-चांपा जिला कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 3 सितंबर 2026 को नैला स्थित पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जी के निवास स्थान पर संपन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी मंत्री ओ पी चौधरी जी की प्रमुख उपस्थिति रही। बैठक में कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों, संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने तथा आगामी बैठकों एवं कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक संगठनात्मक निर्णय लिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं भाजपा जिला प्रभारी मंत्री ओ पी चौधरी जी, सांसद मती कमलेश जांगड़े जांजगीर चांपा,पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष नारायण चंदेल जी, जिला संगठन प्रभारी रामदेव कुमावत जी, जिला संगठन सह प्रभारी राजेंद्र वैष्णव जी, भाजपा जिला अध्यक्ष अम्बेश जांगड़े जी, जशपुर जिला प्रभारी अमर सुलतानिया जी, रायगढ़ जिला प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर जी, पूर्व सांसद मती कमला देवी पाटले जी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संतोष लहरे जी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल जी सहित कोर कमेटी के सदस्य एवं वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दीपावली के छठवें दिन कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है दोनों पर्व में

राजनांदगांव । माताएं अपने संतान के दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ कठिन उपवास रखकर पूजा करते हैं। छत्तीसगढ़ में घर के आंगन में तालाब जैसे दो गड्ढा बनाकर दोनों को बीच से जोड़ देते हैं उसमें जलाशय जैसा पानी भरकर सभी प्राकृतिक चीजों से जिसमें दूबी पत्ता काशी का फूल से उसे तालाब नुमा गड्ढे को जिसे सगरी कहते हैं , सजाया जाता है फिर व्रत करने वाली महिलाएं उसके चारों ओर छः बार घूम कर उसमें भैंस का दूध दही घी का अर्घ्य चढ़ाकर पूजा संपन्न करते हैं। आज के दिन इस पूजा के बाद जो धान का पौधा अपने आप रुक जाता है उसे धान के चावल को जिसे पशहेर चावल कहते हैं उसमें भैंस के दूध दही और घी को मिलाकर व्रत करने वाली महिलाएं भोजन करती हैं यह पर

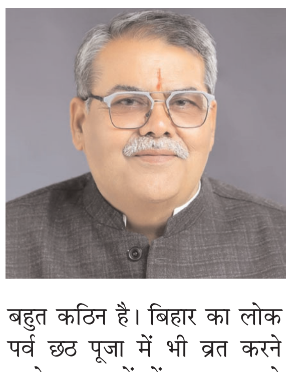

बहुत कठिन है। बिहार का लोक पर्व छठ पूजा में भी व्रत करने वाले जलाशयों में जाकर अपने संतान के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना लेकर व्रत करती हैं इस सूरत में भी सभी प्राकृतिक साग सब्जी गाना गुड और घर में बने पकवान सहित भगवान सूर्य देव को दूध का अर्घ्य देकर पूजा का समापन करते हैं यह व्रत लगातार दो दिन उपवास रहकर बहुत कठिनाई से व्रत करते हैं दोनों छठ पूजा की विधि समान है।

छात्राओं ने ली साक्षरता की शपथ, दीवार लेखन एवं योजना से संबंधित दी गई जानकारी

कन्या विद्यालय अधिना-सलका में उल्लास साक्षरता पखवाड़ा का आयोजन

भैयाथान । विकासखंड अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना-सलका में बीते गुरुवार को उल्लास साक्षरता पखवाड़ा के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं को साक्षरता के महत्व एवं उल्लास योजना के उद्देश्यों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उल्लास साक्षरता की शपथ ली। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में दीवार लेखन के माध्यम से साक्षरता एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। छात्राओं को उल्लास योजना से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण

जानकारियां देते हुए समाज में निरक्षरता को दूर करने तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय में आयोजित व्याख्यान के दौरान बताया गया कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति को अपने अधिकारों, कर्तव्यों और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने में भी सक्षम बनाती है। इस दौरान छात्राओं से साक्षरता के संदेश को अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उल्लास साक्षरता पखवाड़ा के माध्यम से विद्यार्थियों में साक्षरता के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

2 लाख 46 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण

जनभागीदारी बना जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल

बलौदाबाजार । वर्षा जल को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बलौदाबाजार -भाटापारा ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में जिला ने देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में जल संरक्षण को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान 3.0 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, महिला समूहों, युवाओं, ग्रामीण समुदाय एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता से जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर क्रियान्वित किया गया है। जिले में 2,46,488 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, लगभग 5,146.30 लाख लीटर जल संचयन क्षमता तथा 10,78,911 लोगों की प्रत्यक्ष भागीदारी दर्ज की गई है। अभियान का विस्तार 736 गांवों, 519 ग्राम पंचायतों और 9 नगरीय क्षेत्रों तक किया गया है। इस अभियान के तीसरे चरण मे जिला बलौदाबाजार -भाटापारा देश मे 8 वे स्थान पर हैं। जिले में प्रधानमंत्री आवासों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, डबरी एवं चेकडैम निर्माण, खेत एवं सामुदायिक जल संरचनाएं, नाला उपचार, गैबियन संरचनाएं तथा अन्य भू-जल रिचार्ज गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई है। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवासों के साथ रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को जोड़कर जल संरक्षण को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

जिला प्रशासन की रणनीति का महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा है कि जल संरक्षण को हर घर पानी घर में, मोहल्ले का पानी मोहल्ले में, खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में की अवधारणा से जोड़ा गया। जन-जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जल चौपाल, रैलियां, रंगोली, दीप प्रज्वलन, महिला समूहों की गतिविधियां और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनचेतना विकसित हुई।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान जिले में प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। देश के शीर्ष 10 जिलों में बलौदाबाजार-भाटापारा का शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों, नवाचार और जनभागीदारी के समन्वय से जल सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी एवं अनुकरणीय मॉडल विकसित किया।

डीईओ ने समस्त प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों ली समीक्षा बैठक

बलौदाबाजार । जिला शिक्षा अधिकारी के.एस.मेरावी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा नरेन्द्र वर्मा ने विकासखण्ड बलौदाबाजार के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा, समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों का पण्डित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी विद्यालय बलौदाबाजार में शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न एजेन्डाओं पर समीक्षा बैठक लिया गया। प्रमुख रूप से प्रशस्त एप, स्वच्छ एव हरित विद्यालय, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पेड़ लगाने की समीक्षा, नशा मुक्त विद्यालय की जानकारी, एमबीयू वैलिडेशन जानकारी, अपार आई डी की जानकारी, बालवाड़ी की जानकारी, आईसीटी योजना की जानकारी, यूडाइस की जानकारी, विद्यार्थियों की जीपी में एन्ट्री की जानकारी, शिक्षकों की प्रोफाईल एन्ट्री, स्कूल प्रोफाईल एन्ट्री, ड्राप बाक्स मेंबच्चों को इम्पोर्ट करना संबंधी सभी प्राचार्यों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों से जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही जेम पंजीयन की जानकारी पर चर्चा, एसएनए स्पर्श पर चर्चा, आईसीटी योजना, रंगाई पोताई, निरीक्षण पर चर्चा, वीएसके, नवीन वर्जन पर चर्चा, लईका चिन्हारी एप सीडब्ल्यूएस एन बच्चों के सर्वे पर चर्चा, एफएलएन कीट का नियमित उपयोग पर चर्चा, एफएलएन को सभी स्कूलों में 100 प्रतिशत प्राप्ति के लक्ष्य परचर्चा, एफएलएन पुस्तक स्कैनिंग 100 प्रतिशत पूर्ण करना (अभ्यास पुस्तक), रचनात्मक लेखन पर चर्चा, पुस्तक स्कैनिंग 100 प्रतिशत पूर्ण करना, एफएलएन के अंतर्गत मुस्कान पुस्तकालय को सक्रिय करना, प्रतिमाह चर्चा पत्र को डाउनलोड करके पढना, एफएलएन के अंतर्गत शनिवार बैग लेशडे मनाये जाने संबंधी चर्चा की गयी।

आरोपी के विरुद्ध धारा 20 NDPS Act के तहत की गई कार्यवाही

सिमगा । पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री करने वाले अपराधियों के विरुद्ध निरंतर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिमगा एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा ग्राम लांजा में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 01 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। मामले का संक्षिप्त विवरण दिनांक 02.09.2026 को थाना सिमगा एवं सायबर सेल को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम लांजा निवासी नेपाल जोशी अपने घर में बिक्री हेतु अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ है। सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के तहत समस्त कानूनी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करते हुए संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तत्काल ग्राम लांजा में आरोपी के मकान पर दबिश दी गई। जब्ती एवं कार्यवाही दबिश के दौरान संदेही के घर की तलाशी लेने पर उसके कमरे से एक प्लास्टिक बोरी में 05 अलग-अलग पैकेटों में रखा 6.761 किलोग्राम (6 किलो 761 ग्राम) अवैध गांजा (कीमती ?50,000/-) बरामद हुआ।

नन्हे राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियों से सजा विद्यालय,मटकी फोड़, रस्साकशी और डांडिया ने बढ़ाया जन्माष्टमी का उत्साह

गरियाबंद। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व शुक्रवार को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद में श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। श्री भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति गरियाबंद द्वारा संचालित विद्यालय में सुबह से ही भक्ति और उत्सव का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की सबसे खास बात नन्हे-मुन्ने बच्चों की आकर्षक राधा-कृष्ण वेशभूषा रही। सैकड़ों बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा के मनमोहक स्वरूप में विद्यालय पहुंचे। किसी के सिर पर मोरपंखी मुकुट था तो कोई हाथों में बांसुरी लिए नन्हे कान्हा के रूप में नजर आया। वहीं नन्हीं बालिकाएं राधा की पारंपरिक वेशभूषा में सजी-संवरी कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रही थीं। विद्यालय परिसर में सजे रंग-बिरंगे परिधान, बच्चों की मुस्कान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा परिसर मानो ब्रज की छटा में रंग गया।

जन्माष्टमी उत्सव के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नन्हे कलाकारों की प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके साथ ही माताओं के लिए रस्साकशी प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें अभिभावकों ने भी पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सामूहिक डांडिया नृत्य ने उत्सव को और भी रंगीन बना दिया। बच्चे, अभिभावक और विद्यालय परिवार उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लेते नजर आए।

बड़ी संख्या में बच्चों के पालक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने नन्हे बच्चों को राधा-कृष्ण के स्वरूप में देखकर अभिभावकों के चेहरे पर अलग ही खुशी दिखाई दी। बच्चों की प्रस्तुतियों पर तालियों की गड़गड़ाहट लगातार गूंजती रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और संदेशों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्तव्य और मानवता की प्रेरणा देता है। बच्चों को बचपन से ही भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की है। छोटे-छोटे बच्चों को राधा-कृष्ण के स्वरूप में देखकर मन आनंदित हो गया। ऐसे आयोजनों से बच्चों में धार्मिक और सांस्कृतिक संस्कार विकसित होते हैं तथा वे अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ते हैं।

गर्ग परिवार द्वारा पितृमोक्षार्थ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

■ प्रतिदिन दोपहर 3 से 7 बजे तक कन्या भवन में हो रही कथा

खरसिया । धार्मिक नगरी खरसिया की पावन धरा पर पितृमोक्षार्थ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गर्ग परिवार (सामण पुट्ठी वाले) हरनारायण चंदगीराम गर्ग परिवार द्वारा आयोजित इस कथा में वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्री अखिल जी महाराज के श्रीमुख से अमृतमयी कथा का रसपान श्रद्धालुओं को कराया जा रहा है। कथा स्थल कन्या विवाह भवन, खरसिया है।

भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ शुभारंभ कथा का शुभारंभ 3 सितंबर गुरुवार को सुबह 10 बजे शिव मंदिर भगत तालाब से निकली भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। दोपहर 3 बजे से कथा प्रारंभ हुई, जिसमें प्रथम दिवस भागवत महात्म्य एवं गोकर्णोपाख्यान के प्रसंग का वाचन किया गया।

यह है सात दिवसीय कथा क्रम आयोजक परिवार ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। 4 सितंबर शुक्रवार - कपिलोपाख्यान एवं ध्रुव चरित्र 5 सितंबर शनिवार - प्रहलाद चरित्र एवं नरसिंह अवतार 6 सितंबर रविवार - गजेंद्र मोक्ष, वामन अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी विशेष तैयारी है) 7 सितंबर सोमवार - प्रभु कृष्ण की बाल लीला, छप्पन भोग एवं गोवर्धन लीला 8 सितंबर मंगलवार - महारास एवं रुक्मिणी विवाह महोत्सव 9 सितंबर बुधवार - सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष एवं कथा विराम 10 सितंबर गुरुवार - हवन, पूर्णाहुति एवं गौ दान गर्ग परिवार ने समस्त नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पधारकर भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

गहिराभेड़ी और भोलापुर सड़क हादसों में मृतकों के परिजनों से मिले विधायक भोलाराम साहू

छुरिया । ग्राम गहिराभेड़ी में पिकअप, स्कॉर्पियो और बाइक के बीच हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन युवाओं की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में डिकेश्वरी साहू (25), भूपेश्वरी साहू (23) और संदीप साहू (20) का निधन हो गया। तीनों ग्राम गहिराभेड़ी निवासी सेवती बाई पति जिधन साहू के परिवार से थे। घटना के बाद पूरे गांव और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

दुर्घटना की सूचना मिलने पर खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ग्राम गहिराभेड़ी पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में परिवार के तीन सदस्यों का असमय निधन बेहद पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत

आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। विधायक ने शोकाकुल परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक छन्नी साहू, प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष नीरेंद्र साहू, चुम्मन साहू, राजकुमार सिन्हा, प्रताप धावड़े, मनोज सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे। भोलापुर में सड़क हादसे में कमल बंजारे का निधन, विधायक ने दी श्रद्धांजलि ग्राम भोलापुर निवासी 65 वर्षीय कमल बंजारे का बाइक और स्कॉर्पियो की भिड़ंत में हुए सड़क हादसे में निधन हो गया।

अशोक कुमार चंद्रवंशी ने जिला जनसंपर्क कार्यालय बालोद में किया कार्यभार ग्रहण

बालोद । जिले के नवपदस्थ सहायक जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार चंद्रवंशी ने आज संयुक्त जिला कार्यालय स्थित जिला जनसंपर्क कार्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों से भेंटकर उनका परिचय लिया।उल्लेखनीय है कि जनसंपर्क संचालनालय नवा रायपुर में पदस्थ सहायक जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार चंद्रवंशी को जिला जनसम्पर्क कार्यालय बालोद में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया है। कार्यालय में कार्यभार संभालने के पश्चात् चंद्रवंशी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुँचाना तथा मीडिया के माध्यम से शासन व जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर सहायक ग्रेड 03 मनीष कुमार यादव, सोशल मीडिया समन्वयक तनवीर खान, राजेन्द्र कुंजाम, कृष्णशरण साहू, घनश्याम चन्द्राकर, हुलेश रजक एवं सुरेन्द्र कुमार साहू उपस्थित थे।

परिवार को राहत राशि और एक सदस्य को नौकरी देने की मांग पर अड़े श्रमिक

सीमेंट संयंत्र में कर्मचारी की अचानक मौत, मजदूरों ने बंद किया काम

बलौदाबाजार । ग्राम रिसदा स्थित सीमेंट संयंत्र में गुरुवार को काम के दौरान एक कर्मचारी की अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम ढनढनी निवासी गिरधर लाल रजक के रूप में हुई है। वे संयंत्र में प्रोसेस अटेंडर के पद पर कार्यरत थे। घटना के बाद मजदूरों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने काम बंद कर दिया।

जानकारी के अनुसार 3 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे गिरधर लाल रजक संयंत्र में ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आया और वे वहीं बैठ गए। कुछ ही देर बाद उनकी

मौत हो गई। घटना के बाद उन्हें जिला अस्पताल बलौदाबाजार लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

बताया गया कि मृतक के परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीमेंट एवं खदान श्रमिक यूनियन ऐटा के नेतृत्व में मजदूरों ने काम बंद कर दिया। यूनियन अध्यक्ष गुहतराम कोटरे और महासचिव जगमोहन घृतलहरे ने बताया कि कर्मचारी की कार्यस्थल पर अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हुई है। उन्होंने मृतक के परिवार को उचित राहत राशि देने तथा परिवार के एक सदस्य को संयंत्र में नौकरी देने की मांग की है। मजदूरों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए प्रबंधन को संवेदनशीलता के साथ उनकी मांगों पर निर्णय लेना चाहिए। मांगों को लेकर श्रमिक संयंत्र प्रबंधन के समक्ष डटे रहे। समाचार लिखे जाने तक संयंत्र प्रबंधन के अधिकारियों, तहसीलदार और मजदूर संघ के प्रतिनिधियों के बीच बैठक और बातचीत का दौर जारी था। प्रबंधन और श्रमिक प्रतिनिधियों के बीच होने वाली सहमति के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

यातायात व्यवस्था सुधारने व्यापारी संगठनों की बैठक, अतिक्रमण पर अब सख्ती के संकेत

चांपा । नगर में लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से नगर पालिका एवं राजस्व विभाग के तत्वावधान में थाना परिसर स्थित एसडीओपी कार्यालय के समक्ष व्यापारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के अधिकारी-पदाधिकारी, व्यापारी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में नगर की वर्तमान यातायात व्यवस्था और बढ़ते अतिक्रमण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कई व्यापारियों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के बाहर जरूरत से अधिक सामान निकालकर रखा जाता है। वहीं दुकानों पर आने वाले ग्राहक अपने वाहन सड़क

किनारे खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है और यातायात प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ व्यापारियों द्वारा दुकानों के बाहर अतिरिक्त शेड निकालकर तथा विभिन्न प्रकार के उपकरण और अन्य सामान रखकर स्थायी रूप से स्थान घेरने की बात भी सामने आई। इसे देखते हुए बैठक में स्पष्ट किया गया कि अब इस प्रकार के अतिक्रमण और यातायात बाधित करने वाली गतिविधियों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

पहले समझाइश, फिर होगी सख्त कार्रवाई

प्रशासन द्वारा फिलहाल पहले चरण में व्यापारियों एवं दुकानदारों को समझाइश देकर स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की जाएगी। इसके लिए व्यापारिक संगठनों और चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों से भी सहयोग लिया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि यदि समझाइश के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो दूसरे चरण में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें अवैध रूप से सड़क अथवा सार्वजनिक स्थान पर रखे सामान की जब्ती के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की जा सकती है। एसडीओपी लोकेश बंसल ने बताया कि पहले चरण में पुलिस एवं प्रशासन की टीम लोगों के बीच पहुंचकर समझाइश देगी। साथ ही जिन क्षेत्रों में यातायात संबंधी घटनाएं अथवा समस्याएं अधिक सामने आ रही हैं, उनका जायजा लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसके बाद आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर की व्यवस्था सुधारना सभी की जिम्मेदारी : प्रदीप नामदेव नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने कहा कि नगर की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

चीन के भीमकाय बांध दुनिया के लिए वाटर-बम साबित होंगे

क्या आप जानते हैं दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के लिए चीन ने कौन-सी जगह चुनी है? यह दुनिया के सबसे जटिल भू-राजनीतिक और भूकंपीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में से है। भारत की सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक अभूतपूर्व परियोजना का निर्माण कर रहा है। यह दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर बहने वाली प्रमुख नदी है। इसे ही भारत में ब्रह्मपुत्र कहते हैं।

यह विशाल बांध बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में चीन के थ्री गॉर्जेज डैम को भी बहुत पीछे छोड़ देगा, जो फिलहाल दुनिया का सबसे बड़ा बांध है। इसका जलाशय भारत के पूर्वोत्तर और डेल्टाई बांग्लादेश में रहने वाली करोड़ों की आबादी के ऊपर पानी का एक विशाल भंडार रोककर रखेगा। इसको लेकर सबसे चिंताजनक चेतावनियां विदेशी आलोचकों नहीं, चीन के अपने वैज्ञानिकों की ओर से आ रही हैं। एक हालिया शोधपत्र ने निर्माण स्थल पर गंभीर भूगर्भीय खतरों की पहचान की है।

भूवैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि यहां की भू-संरचना नाजुक है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यहां आने वाले भूकंप बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं, क्योंकि उससे जलाशय और आसपास का बुनियादी ढांचा, दोनों खतरे में पड़ सकते हैं।

लेखकों ने जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, रिटेनिंग संरचनाएं स्थापित करने और आपदा के जोखिम को कम करने के लिए परियोजना के प्रमुख हिस्सों को नए सिरे से डिजाइन करने की सिफारिश की है। जब किसी कम्युनिस्ट शासन के अधीन काम कर रहे वैज्ञानिक ऐसी चेतावनियां जारी करें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन पर ध्यान देना ही चाहिए।

नया बांध ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बेंड पर बन रहा है, जहां भारत में प्रवेश करने से पहले नदी दुनिया की सबसे गहरी और सबसे लंबी घाटी से होकर तीव्र ढलान के साथ नीचे उतरती है। यह हिमालयी भूकंपीय पट्टी के ठीक बीच स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों की धीमी गति से हो रही टक्कर के कारण बनी है।

यह पृथ्वी के सबसे अधिक भूकंप-संभावित क्षेत्रों में से एक है और यहां विनाशकारी भूकंप आने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। खतरा केवल इतना नहीं है कि भूकंप किसी बांध को नुकसान पहुंचा सकता है। एक विशाल जलाशय खुद भी भूगर्भीय दबाव बढ़ाकर भूकंप को जन्म दे सकता है।

इसका एक संभावित उदाहरण चीन में सामने आया था। आधुनिक चीन के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक में 2008 में तिब्बती पठार के पूर्वी किनारे पर आए भूकंप में कई लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकांश सिचुआन प्रांत के थे।

वैज्ञानिक आज भी इसके कारणों को लेकर बहस करते हैं, लेकिन एक प्रभावशाली शोध का निष्कर्ष था कि शायद नए जिपिंगपू बांध के जलाशय में जमा पानी के विशाल भार ने नीचे स्थित एक दरार पर दबाव बढ़ाया हो और संभवत: उस भूकंप को दशकों या सदियों पहले ही ला दिया हो।

लेकिन इस वैज्ञानिक संभावना का गंभीरता से सामना करने के बजाय चीन ने इससे भी कहीं बड़ी बांध परियोजना शुरू कर दी है, वह भी इससे अधिक नाजुक भूगर्भीय क्षेत्र में। लेकिन हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे।

वर्ष 2025 में आया शक्तिशाली म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है। इसके झटके करीब 1,000 किलोमीटर दूर बैंकॉक तक महसूस हुए थे और वहां एक ऊंची इमारत ढह गई थी।

ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। भारत में यह खेतों की सिंचाई करती है, मत्स्य-पालन को सहारा देती है और लाखों लोगों की आजीविका का आधार है। बांग्लादेश में यह मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है। चीन द्वारा मेकांग नदी पर बनाए गए विशाल बांधों की तरह यह सुपर-डैम भी सीमा-पार नदी प्रवाह को बदलने और पोषक तत्वों से भरपूर तलछट के निचले इलाकों तक पहुंचने को कम करने का खतरा पैदा करता है।

जलाशय में रोके पानी को आपात-स्थिति में छोड़ना भी घनी आबादी वाले निचले मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ ला सकता है। तिब्बत में इंजीनियरिंग की एक विफलता से शुरू होने वाली घटना बांग्लादेश तक फैली मानवीय त्रासदी में बदल सकती है। यह साफ है कि चीन ने पानी को कूटनीतिक दबाव का एक और औजार बना दिया है।

हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे। वर्ष 2025 में आया म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

महिलाओं के पक्ष में एक नई राजनीतिक भाषा सुनाई दी है

कुछ दिनों पहले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान पुणे में युवा महिलाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत में आदर्श नारी को तीन वर्गों में डाल दिया जाता है, उसे सिर्फ बेटी, पत्नी या मां के रूप में देखा जाता है। राहुल ने आगे कहा कि इनमें से किसी एक के रूप में देखे जाने में कोई गलत बात नहीं है, लेकिन यही आपकी एकमात्र पहचान नहीं हो सकती।

कई महिलाएं बेहतरीन प्रोफेशनल होती हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं और सपने इन पारंपरिक भूमिकाओं से आगे हैं। लेकिन अपने लक्ष्यों को हासिल करने की उनकी कोशिश अक्सर उन रुकावटों से भरी होती है, जो समाज और उसे चलाने वाली सोच उनके सामने खड़ी करती है। इन रुकावटों और इस सोच के खिलाफ लड़ना और उन्हें दूर करना जरूरी है। महिला दर्शकों की जोरदार तालियों के बीच राहुल का आखिरी संदेश था : 'पिंजरा तोड़ो, पितृसत्ता को खत्म करो।'

अब तक इस तरह की बातें दुनिया भर में अकादमिक सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में लगातार सुनने को मिलती रही हैं। लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है, पहली बार इन्हें भारत की मुख्यधारा की राजनीति में लाया गया है।

अकादमिक और राजनीतिक मुख्यधारा अकसर सामाजिक और राजनीतिक जीवन के दो अलग-अलग हिस्से होते हैं।

अमेरिका की आईवी लीग यूनिवर्सिटीज में 'मागा' की सोच का बहुत कम या बिल्कुल असर दिखाई नहीं देता। भारत में जेएनयू को भी अकसर एक अलग दुनिया माना गया है। केरल या बंगाल (जब राज्य में सीपीएम की सरकार थी) को छोड़ दें तो जेएनयू की राजनीतिक संस्कृति का राष्ट्रीय मुख्यधारा से बहुत कम मेल रहा है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (और सोशियोलॉजी) का रिकॉर्ड भी कुछ ऐसा ही रहा है- मुख्यधारा की राजनीति में उसकी भूमिका शायद ही कभी उसकी बौद्धिक चमक के बराबर रही हो।

इसलिए राहुल गांधी का पितृसत्ता के खिलाफ कदम नया और अलग है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पितृसत्ता को खत्म करो की अपील को ऊपर से थोपी गई कोई बौद्धिक बात न माना जाए, जिसका महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं हो, पुणे में राहुल का बात रखने का तरीका काफी अलग था। उन्होंने इसे किसी यूनिवर्सिटी की ऊंची अकादमिक दुनिया से सीधे निकले राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि एक बड़े जन-कार्यक्रम की तरह पेश किया।

मंच पर कई युवा महिलाओं को बुलाया गया था। इनमें लगभग सभी छात्राएं या हाल ही में पढ़ाई पूरी करने वाली युवा महिलाएं थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और दूसरे लक्ष्यों के बारे में बताया और उन रुकावटों के बारे में भी बताया, जिनका उन्हें सामना करना पड़ता है। इनमें शहर और गांव, दोनों जगहों से आई महिलाएं थीं।

कुछ अंग्रेजी अच्छी तरह बोल रही थीं, कुछ हिंदी में और कुछ मराठी में। कुछ ऊपरी-मध्यम वर्ग के परिवारों से थीं; एक आदिवासी महिला थीं और एक महाराष्ट्र के एक छोटे शहर के एक सफाई कर्मचारी की बेटी थीं। सफाईकर्मी की बेटी ने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया से पढ़ाई की थी और पत्रकार बनना चाहती हैं, लेकिन उन्हें बार-बार कहा जाता है कि वे पत्रकार नहीं बन सकतीं, उन्हें शादी के बारे में सोचना चाहिए।

सभी महिलाओं ने अपनी बात इस तरह रखी कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पितृसत्ता के बुरे असर को समझा जा सके। उन्होंने बताया कि गांव से बाहर के स्कूलों में जाना कितना मुश्किल है; सार्वजनिक परिवहन कितना असुरक्षित है, चाहे बसें भरी हों या खाली; सोशल मीडिया का इस्तेमाल उन्हें शर्मिंदा करने और दबाव बनाने के लिए कैसे किया जाता है।

इस कार्यक्रम का मकसद सिर्फ किसी विचार को उदाहरणों के जरिए समझाना नहीं था। इस कवायद का मकसद गहराई से राजनीतिक था। बंगाल में जीत के बाद बीजेपी का राजनीतिक प्रभाव बहुत बढ़ गया था। लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन- खासकर जंतर-मंतर का प्रदर्शन- ने देश में राजनीतिक विमर्श को बदला है। इसी मौके का फायदा उठाते हुए राहुल गांधी राजनीतिक बहस में बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 में कई विधानसभा चुनाव होने हैं और छात्र व महिलाएं यकीनन एक महत्वपूर्ण वोटर समूह हैं। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

जब आपके पास बहुत कम पैसा हो तो उसकी कीमत बदल जाती है

महाराष्ट्र के बीड जिले की रामाबाई रणवीर की कहानी सिर्फ त्याग की नहीं है, बल्कि यह बताती है कि 5 हजार रुपए जैसी छोटी रकम की कीमत अलग-अलग हाथों में जाकर कैसे बदल जाती है। 47 वर्षीय रामाबाई, बीड की ध्यानदीप अकादमी के किचन में काम करती हैं। 9 हजार रुपए मासिक सैलरी पर वे रोज 200 से ज्यादा चपातियां बनाती हैं। 2012 में पति की मौत के बाद उन्होंने अपनी दो बेटियों की पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए यह काम शुरू किया।

उनकी छोटी बेटी आरती (20) बीएससी कंप्यूटर साइंस की स्टूडेंट है और नांदेड़ में अकेली रहती है। 28 अगस्त को उसने कॉल करके खाने और किराए के लिए पैसे मांगे। रामाबाई के पास पैसे नहीं थे और वह पूरी रात सो नहीं सकीं। उसी शाम रामाबाई ने सुना था कि अगली सुबह होने वाली दौड़ में यदि वह पहले स्थान पर आएं तो 3 हजार रुपए जीत सकती हैं।

उन्हें पता तक नहीं था कि दौड़ का मतलब क्या होता है। उन्होंने इसकी चिंता भी नहीं की कि वह इस लंबी और कठिन दौड़ के लिए ट्रेंड नहीं हैं और बिना जूतों के दौड़ने वाली इकलौती रनर हैं। अगली सुबह विधवा रामाबाई बीड की उस अकादमी में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के साथ पिकअप में बैठकर निकल पड़ीं, जहां वह काम करती थीं। वह अपनी जिंदगी की पहली दौड़ में हिस्सा लेने जा रही थीं।

वे साड़ी पहन कर दौड़ीं। दौड़ के बीच उनकी चप्पलें भी जवाब दे गईं, लेकिन वह 3 किमी की दौड़ पूरी होने तक दौड़ती रहीं। उनके दिमाग में बस यही था कि अगर वह जीत गईं तो बेटी की पढ़ाई के खर्च की मुश्किल कुछ कम हो जाएगी। आखिरकार, एक मां का यह अडिग हौसला जीत गया। दौड़ जीतने के बाद उन्होंने लोकल मीडिया से कहा कि 'मैं ऐसे दौड़ी जैसे मेरी जिंदगी इसी पर निर्भर थी। मुझे नहीं पता था कि यह दूरी पूरी करने के लिए मुझे कितना समय चाहिए। मैं सिर्फ फिनिश लाइन पार करने के बाद ही रुकी।' उन्हें 3 हजार के बजाय 5 हजार रुपए दिए गए। उन्होंने तुरंत अपनी दूसरी बेटी पूजा के लिए कॉपी-पेन खरीदे और शेष पैसे आरती के लिए बचा लिए।

रामाबाई की तरह पूरे भारत में ऐसे पैरेंट्स हैं, जो रोज अपना ही नामुमकिन-सा गणित लगाते हैं। वे सोचते हैं कि 'मैं ऐसा क्या टाल सकता हूं, जिससे मेरे बच्चे को अपना सपना न टालना पड़े?' वर्षों पहले एक कहानी नागपुर के ऑटोरिक्शा ड्राइवर सौनीत्रा इंगले की भी थी, जो महज 2500 रुपए महीना कमाते थे, लेकिन बेटी की पढ़ाई के लिए रोज 20 रुपए अलग रख देते थे। वे खुद भी मुश्किल हालात में पले-बढ़े थे, इसलिए चाहते थे कि जो मौके उन्हें नहीं मिल पाए, बेटी को मिलें। यह रकम सुनने में बहुत छोटी लगती है, लेकिन इतना कम कमाने वाला रोज 20 रुपए बचा रहा है तो इसका मतलब था कि वह अपनी तात्कालिक जरूरतों से ज्यादा बेटी के भविष्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इसी साल मार्च में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025-2026 में पहले ही अटेंप्ट में ऑल इंडिया 57वीं रैंक हासिल करने वाली केरल के तिरुवनंतपुरम की जेएस श्रीजा ने अपने पैरेंट्स के त्याग के बारे में बताया। उनके पिता जय कुमार मेसन के हेल्पर के तौर पर दिहाड़ी मजदूरी करते हैं।

वह काम पर आने-जाने के लिए रोज 40 किमी साइकिल चलाते। श्रीजा की पढ़ाई के लिए उन्होंने पत्नी के मंगलसूत्र समेत परिवार का सोना गिरवी रखकर 8 लाख रुपए का लोन लिया। रात में वह रसोई में भी हाथ बंटाते, ताकि श्रीजा पूरी तरह पढ़ाई पर फोकस कर सकें।

छत्तीसगढ़ में ज्योति पाटिल ने पति की मौत के बाद परिवार चलाने और बेटी की पढ़ाई जारी रखने के लिए ऑटोरिक्शा चलाना शुरू किया। बाद में उनकी बेटी वर्तिका रायपुर के सरकारी स्कूल के उन दो स्टूडेंट में शमिल हुई, जिनके वाटर-कंजर्वेशन प्रोजेक्ट की आईआईटी तिरुपति में हुई एक प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय जजों ने तारीफ की।

फंडा यह है कि छोटी रकम भी तब छोटी नहीं रह जाती, जब पैरेंट्स सोचते हैं कि 'आज मैं क्या त्याग सकता हूं, ताकि मेरे बच्चे को कल कोई त्याग न करना पड़े?' क्योंकि वही छोटी रकम कल उम्मीद, सम्मान और कभी-कभी बच्चे के भविष्य की कीमत बन जाती है।

लक्ष्य जितना बड़ा होता है,पाना उतना ही मुश्किल होता है

हर आदमी,परिवार,समाज व देश का एक या कई लक्ष्य होते हैं ।जिन्हें सभी हासिल करना चाहते हैं लेकिन लक्ष्य तय करना जितना आसान होता है लेकिन लक्ष्य को हासिल करना उतना आसान नहीं होता है। लक्ष्य छोटा होता है तो भी उसे हासिल करना आसान नहीं होता है,उसके लिए मेहनत करनी पड़ती है ।लोगों का सहयोग लेना पड़ता है, लोगों को समझाना पड़ता है कि लक्ष्य हासिल करना व्यक्ति,समाज,गांव,शहर के लिए कितना लाभदायक होगा ।लक्ष्य बड़ा हो तो उसे हासिल करना और मुश्किल होता है ।जैसे किसी गांव में शराबबंदी करनी है तो शहर की तुलना मे वहां शराबबंदी आसान होता है क्योंकि गांव में कुछ सौ लोगों को ही इसके लिए तैयार करना पड़ता है, समझाना पड़ता है कि उससे गांव में परिवार में शांति होगी। गांव में थोड़े से लोग ही शराब पीने वाले होते हैं,ज्यादातर लोग नहीं पीने वाले होते हैं इसलिए कई बार सुनने में आता है कि फलाने गांव में गांव के लोगों ने शराबबंदी कर दी है। इससे गांव में अब शांति है,परिवार व गांव में लड़ाई झगड़ा कम हो गया है।

गांव की तुलना में शहर में शराबबंदी का लक्ष्य तो तय किया जा सकता है लेकिन इस पाना गांव की तुलना में कई गुना मुश्किल होता है। क्योंकि शहर की आबादी लाखों में होती है,शहर में लाखों लोग रोज शराब पीते हैं ।लाखों लोगों के शराब पीने से सरकार को आय होती है ।इसलिए सरकार शराब को परिवार,समाज के लिए बुरा मानते हुए भी उसकी बिक्री पर कोई रोक नहीं लगाती है ।वह तो ज्यादा शराब दुकान खोलकर शराब की बिक्री से ज्यादा आय पाना चाहती है ताकि उसके खर्च बढ़े तो उसे कर्ज न लेना पड़े या आर्थिक तंगी न हो ।सरकार एक तरफ अभियान भी चलाती है कि लोगों को बताती है कि शराब पीने से क्या नुकसान होता है और दूसरी तरफ शराब बेचने के लिए नई नई दुकाने भी खोलती जाती है ।कई राजनीतिक दलों की सरकारें तो इससे राज्य के लिए खर्च का इंतजाम करने के साथ ही भ्रष्टाचार करके पार्टी फंड के लिए पैसा जुटाने का काम कर चुकी हैं,चुनाव लड़ने के लिए पैसों का इंतजाम शराब नीति में फेरबदल करके कर चुकी हैं।

लोग भी चाहते है कि शराबबंदी होनी चाहिए और सरकार भी चाहती है कि शराबबंदी होनी चाहिए। लोगों को शराब नहीं पीनी चाहिए। इससे न घर में शांति रहती है और न शहर में शांति रहती है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती है इसलिए महिलाएं ज्यादा चाहती हैं राज्य में शराबबंदी होनी चाहिए। एक राजनीतिक दल ने महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर वोट ले लिए चुनाव जीत गया लेकिन जब शराबबंदी करने की बात आई,वह शराबबंदी नही कर सका क्योंकि सत्ता मिलने के बाद उसे पता चला कि शराबबंदी का वादा करना जितना सरल होता है,शराबबंदी करना उससे कहीं ज्यादा मुश्किल होता है ।बिहार मे एक सरकार ने शराबबंदी करके दिखा दिया कि राज्य में सरकार चाहे तो शराबबंदी की जा सकती है लेकिन उनको भी शराबबंदी के बाद पता चला कि शराबबंदी करना आसान है लेकिन राज्य में शराब की बिक्री पर रोक लगाना संभव नहीं है यानी शराबबंदी के बाद अवैध रूप से शराब की बिक्री होने लगती है ।गुजरात में आजादी के बाद से शराबबंदी हैं लेकिन शराब तो वहां भी बिकती है और पीने वाले तो वहां भी पीते हैं ।शराबबंदी करने का मतलब तो यह नहीं होता है कि लोग शराब पीना बंद कर देंगे। बल्कि शराबबंदी के बाद लोगों को अच्छी शराब नहीं मिलती है तो लोग दूसरे सूखा नशा करने लगते हैं, जहरीली शराब पीने लगते हैं। यानी नशे की समस्या तो बनी ही रहती है ।इसलिए भी राज्य सरकारें अपने यहां शराबबंदी नहीं करती है।

शराबबंदी से बड़ा लक्ष्य नशाबंदी होता है यानी समाज,राज्य व देश को नशामुक्त करने का लक्ष्य और बड़ा होता है,यदि किसी गांव को नशामुक्त करना हो तो वह किया जा सकता है लेकिन जैसे ही किसी शहर,जिला,प्रदेश व देश व युवा को नशामुक्त करने का लक्ष्य तय किया जाता है तो यह लक्ष्य बहुत बड़ा हो जाता है और इसे हासिल करना उतना ही मुश्किल होता है। नशामुक्त राज्य व नशामुक्त युवा का लक्ष्य राज्य सरकारों के लिए मुश्किल लक्ष्य होता है ।उनके सामने मुश्किल यह होती है कि जैसे ही वह नशामुक्त युवा का लक्ष्य तय करती हैं, उनकी आलोचना इस बात के लिए होनी लगती है कि वह शराब की बिक्री कराती है और दूसरी तरफ नशामुक्त युवा की बात करती है ।पीएम मोदी ने मन की बात में नशामुक्त युवा की बात की है और नशामुक्त भारत की बात की है तो बात करने से यह तो पता लगता है कि पीएम मोदी ऐसा चाहते हैं ।देश व युवाओं का भला चाहते हैं,पीएम मोदी के पहले बहुत लोग ऐसा चाह चुके हैं लेकिन आजादी के बाद से न युवा नशामुक्त हुए है और न भारत हुआ है।

जेन-जी कितने ही व्यस्त हों, थोड़ा समय योग-ध्यान को जरूर दें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जेन-जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि अपने मन को संतुलित बनाए रखना भी है। तकनीक, सोशल मीडिया, पढ़ाई, करियर, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की चिंताओं के बीच युवा पीढ़ी का मन हर समय अनेक दिशाओं में दौड़ता रहता है। ऐसे समय में संत कबीर की वाणी बेहद प्रासंगिक दिखाई देती है-

माला तो कर में फिरे, जीभ फिरे मुख मांहि।
मनुवा तो दहु दिसि फिरे, यह तो सुमिरन नाहिं॥

कबीर दास जी का संदेश केवल माला फेरने तक सीमित नहीं है। इसका गहरा अर्थ है कि यदि शरीर कोई काम कर रहा हो, लेकिन मन लगातार भटक रहा हो, तो उस कार्य में पूर्ण एकाग्रता और सार्थकता नहीं आ सकती। माला को यहां कर्म और निरंतर प्रयास का प्रतीक भी माना जा सकता है। जीवन में लक्ष्य के लिए मेहनत जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है मन का उस लक्ष्य के प्रति सजग और केंद्रित रहना।

जेन-जी ऊर्जा, उत्साह और नए विचारों से भरपूर पीढ़ी है। उनके पास दुनिया को बदलने का साहस भी है और नई तकनीक को अपनाने की क्षमता भी। लेकिन यही तेज गति कई बार मन को अस्थिर कर देती है। एक साथ कई काम करने की आदत, लगातार मोबाइल स्क्रीन पर बने रहना और हर पल कुछ नया देखने की चाह मन को थका सकती है।

कबीर का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि जब मन बाहर की दुनिया में बहुत अधिक भटकने लगे, तब उसे भीतर की ओर मोड़ना चाहिए। स्वयं के भीतर उतरने का सबसे सरल मार्ग योग और ध्यान है। कुछ समय का मौन, गहरी सांसों पर ध्यान और मन को शांत करने का अभ्यास व्यक्ति को अपनी वास्तविक ऊर्जा से जोड़ सकता है।

जेन-जी कितने ही व्यस्त क्यों न हों, उन्हें प्रतिदिन कुछ मिनट योग और ध्यान के लिए अवश्य निकालने चाहिए। यह समय केवल शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नहीं, बल्कि विचारों को व्यवस्थित करने और मन को स्थिर बनाने के लिए भी जरूरी है। बाहर की सफलता तभी सुख देती है, जब भीतर शांति हो।

इसलिए दिनभर की भागदौड़ के बीच कुछ पल स्वयं के लिए निकालें। योग करें, ध्यान करें और अपने मन को भीतर की उस ऊर्जा से जोड़ें, जहां से एकाग्रता, आत्मविश्वास और सच्ची शांति का जन्म होता है।

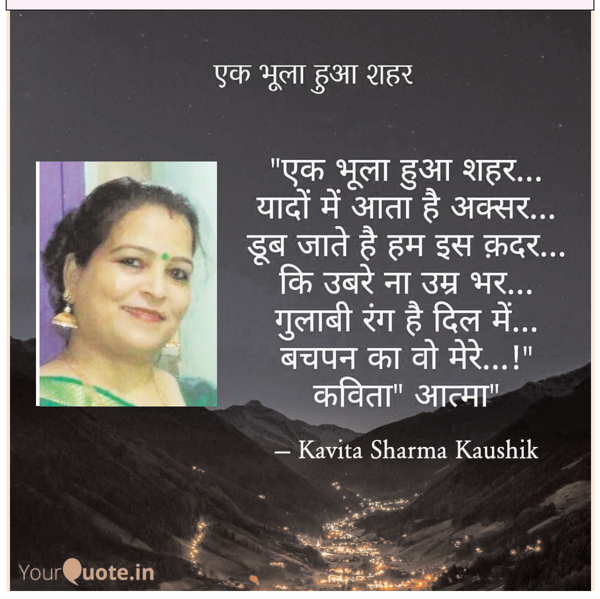

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जब विभीषणजी भगवान राम की शरण में आए तो बंदरों ने पूछा, तुम्हारा परिचय ? और विभीषणजी तो बड़े विनम्र थे, उन्होंने यह नहीं कहा कि मैं विश्रवा मुनि का बेटा हूं। विभीषणजी ने कहा कि मैं तो रावण का छोटा भाई हूं। विभीषणजी को रोककर एक बंदर ने आकर सुग्रीव के कान में धीरे से सूचना दी कि रावण का भाई आया हुआ है। यह सुनकर सुग्रीव के तो कान खड़े हो गए। भगवान राम ने पूछ दिया कि सुग्रीव क्या समाचार है ? बोले, महाराज ! दशानन का भाई आया है। इस प्रसंग में प्रधानमंत्री सुग्रीव और प्रभु में बड़ा मीठा विनोद हुआ। सुग्रीव ने कहा, प्रभु ! आप वैसे तो बड़े महान हैं लेकिन आपमें यह कमी है कि आप व्यक्ति को नहीं पहचान पाते, अच्छे-बुरे का भेद आपको नहीं मालूम। भगवान श्रीराघवेंद्र हनुमानजी की ओर देखकर फिर सुग्रीव की ओर देखकर मुस्कराये। भगवान की हंसी में मानो संकेत था कि सुग्रीव लगता है हम-तुम एक ही जैसे हैं। क्योंकि मुझे भी अच्छे-बुरे का भेद नहीं पता है और तुम्हें भी नहीं। तुमने भी तो पहले दिन जब मुझे दूर से देखा तो बालि का भेजा हुआ भेदिया ही समझ लिया था। तुम्हारे नेत्र में यह बड़ा व्यापक रोग है कि तुम जिसको देखते हो उसके प्रति इस प्रकार की धारणा बना लेते हो। लेकिन प्रभु ने हनुमानजी की ओर देखकर सुग्रीव से कहा, भई ! हम दोनों की आंखें प्रमाणिक भले ही न हो पर इनकी आंखें प्रमाणिक हैं, इन पर मेरा भी भरोसा है और तुम्हारा भी भरोसा है। क्योंकि तुम्हें जब संदेह हुआ कि मैं बालि का भेजा हुआ हूं उस समय अगर तुमने अपनी आंखों पर भरोसा कर लिया होता तब तो भाग खड़े होते। लेकिन तुमने हनुमानजी को भेजा कि आप देखकर बताइए कि वे कौन हैं ? और हनुमानजी ने जैसा कहा उस पर आपको भरोसा हो गया।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

नेताजी होटल के पास निगम की कार्रवाई: दुकानदारों हटाईं, बोर्ड भी जब्त, रिंग रोड और श्याम नगर में भी हटाया अतिक्रमण

रायपुर। रायपुर में पुलिस और नगर निगम की टीम ने तेलीबांधा में संयुक्त अभियान चलाया। टीम ने सड़क पर खड़े ठेले-गुमटियां हटाईं और यातायात रोकने वाले दुकानदारों पर चालान किया।

कार्रवाई **PWD** चौक से नेताजी होटल तिराहे तक की गई। इसके बाद रिंग रोड और श्याम नगर की तरफ भी टीम पहुंची और सड़क तक फैले अतिक्रमण को हटवाया।

जहां सड़क घिरी, वहीं पहुंची टीम

अभियान के दौरान टीम ने देखा कि कई जगह ठेले, गुमटियां और दुकानों का सामान सड़क की सीमा तक फैला हुआ था। इससे वाहन चालकों को निकलने में परेशानी हो रही थी।टीम ने ऐसे कब्जे हटवाए और यातायात बाधित करने वालों पर मौके पर ही जुर्माना लगाया।

दुकानों के बाहर लगे बोर्ड भी उठाए

सड़क पर जगह घेरने के साथ दुकानों के बाहर लगाए गए विज्ञापन बोर्ड, होर्डिंग और दूसरी प्रचार सामग्री भी कार्रवाई के दायरे में आई। इन्हें टीम ने मौके से जब्त कर लिया। पुलिस और निगम की टीम ने रिंग रोड और श्याम नगर में भी सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया।

टाटीबंध-पचपेड़ी नाका के बाद अब तेलीबांधा

अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस और निगम की यह संयुक्त कार्रवाई इससे पहले टाटीबंध और पचपेड़ी नाका में भी हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि शहर के व्यस्त इलाकों में सड़क घेरकर यातायात रोकने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

इन्दुभवानन्द तीर्थ बोले- भगवान के लिए भक्तों की इच्छा ही मुख्य

रायपुर। बोरियाकला स्थित शंकराचार्य आश्रम में चल रही चातुर्मास प्रवचन माला में आश्रम प्रभारी डॉ. इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के अवतार और उनकी महिमा पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण पूर्ण परमब्रह्म परमात्मा के अवतार हैं। श्रीमद्भागवत में भी कहा गया है- 'एते चांश कला: पुंस: कृष्णस्तु भगवान् स्वयम्' उन्होंने बताया कि भगवान के अन्य अवतार अंश या कला रूप में माने जाते हैं, जबकि श्रीकृष्ण स्वयं पूर्ण परमात्मा हैं। महाराज ने कहा कि भगवान स्वयं इच्छारहित हैं, लेकिन भक्तों की इच्छा ही उनकी इच्छा बन जाती है। भक्तों के कल्याण और उनकी अभिलाषा पूरी करने के लिए भगवान अवतार लेते हैं। इसी कारण पूर्ण परमात्मा होते हुए भी श्रीकृष्ण ने कंस के कारागार में अवतार लिया। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तों के प्रेम के सामने सहज हो जाते हैं। बाल रूप में श्रीकृष्ण का माता यशोदा की छड़ी देखकर डरना भी भगवान की भक्तों के प्रति सहजता को दर्शाता है। महाराज ने कहा कि भगवान स्वयं इच्छारहित हैं, लेकिन भक्तों की इच्छा ही उनकी इच्छा बन जाती है।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

सूर्यघर योजना के पेंडिंग मामले जल्द निपटाने के निर्देश:पात्र परिवारों को बेनिफिट दिलाने पर भी जोर, कलेक्टर ने अफसरों की ली बैठक

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत पात्र परिवारों को समय पर लाभ दिलाने और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने गुरुवार को विभागीय अधिकारियों और विभिन्न बैंकों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में योजना की अब तक की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने योजना की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

बैठक के दौरान विभागवार और बैंकवार योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत प्रकरणों, लंबित मामलों और अब तक निराकृत किए गए प्रकरणों की स्थिति से कलेक्टर को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि कुछ स्तरों पर आवेदन और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़े प्रकरण लंबित हैं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने तथा समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए।

बैंक स्तर पर लंबित न रहें पात्र हितग्राहियों के आवेदन

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से जुड़े प्रकरण बैंक स्तर पर अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखे जाने चाहिए। पात्र आवेदकों के दस्तावेजों और आवश्यक औपचारिकताओं की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई जल्द पूरी की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां किसी प्रकरण में तकनीकी या दस्तावेज संबंधी कमी हो, वहां हितग्राही को समय रहते जानकारी दी जाए, ताकि वह आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सके।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब पात्र व्यक्ति तक उनका लाभ समय पर पहुंचे। इसलिए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जानी चाहिए। विभागीय अधिकारी और बैंक प्रतिनिधि नियमित रूप से लंबित मामलों की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रक्रियागत कारणों से कोई पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

मैदानी स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश

बैठक में योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए। इसके लिए मैदानी अमले, जनजागरूकता कार्यक्रमों, शिविरों और अन्य उपलब्ध माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि अभी भी कई ऐसे परिवार हो सकते हैं, जिन्हें योजना के लाभ और आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं है। इसलिए लोगों को योजना की पात्रता, लाभ और आवेदन से जुड़ी आवश्यक जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए। गांवों और शहरी क्षेत्रों में आयोजित शिविरों के माध्यम से भी लोगों को योजना से जोड़ा जा सकता है।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि केवल योजना की जानकारी देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पात्र परिवारों को आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे लोगों को आवेदन करने में सुविधा होगी और दस्तावेज या प्रक्रियागत कमियों के कारण प्रकरण लंबित होने की संभावना भी कम होगी।

विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी

बैठक में कलेक्टर ने विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों और बैंक अधिकारियों को एक टीम के रूप में कार्य करना होगा। किसी भी स्तर पर जानकारी के अभाव या आपसी समन्वय की कमी के कारण हितग्राहियों के आवेदन लंबित नहीं रहने चाहिए।

त्योहारों पर शांति व्यवस्था के लिए पुलिस ने 23 लोगों से भरवाए बॉउंड

खरोरा। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने खरोरा पुलिस द्वारा असामाजिक एवं आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में थाना खरोरा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के 23 ऐसे व्यक्तियों को चिन्हांकित किया गया, जिनकी गतिविधियों से शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इनके विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 129 के तहत सदाचार बनाए रखने हेतु बाउंड ओवर की कार्रवाई की गई।पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों को 3 सितंबर को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि वे त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी, मारपीट, शराब सेवन कर उपद्रव, विवाद, धमकी, सार्वजनिक स्थान पर अशांति अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि से दूर रहें। रायपुर पुलिस द्वारा त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खरोरा पुलिस ने अपील की हैं क त्योहार शांति, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं।

रायपुर महापौर को गाली देने वाले युवक पर FIR: सिविल लाइन थाने में केस दर्ज, पुलिस वीडियो पोस्ट करने वाले युवक की पहचान में जुटी

रायपुर। रायपुर महापौर मीनल चौबे को सोशल मीडिया पर गाली देने के मामले में अब पुलिस ने स्न्ढ्ढक्र दर्ज कर ली है। जलभराव और सड़क निर्माण के मुद्दे को लेकर बनाए गए एक वीडियो में युवक ने महापौर के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था।

वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा पार्षद दल ने इसका विरोध करते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर वीडियो पोस्ट करने वाले युवक की पहचान शुरू कर दी है। फिलहाल युवक की पहचान और वीडियो के संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि, रायपुर में बारिश के बाद जलभराव और सड़क से जुड़े मुद्दों को लेकर युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो बनाया था। इसी वीडियो में महापौर मीनल चौबे के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणी किए जाने का आरोप है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला निगम की राजनीति से निकलकर थाने तक पहुंच गया। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा पार्षद दल ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। पार्षद सिविल लाइन थाने पहुंचे। पुलिस से वीडियो बनाने और पोस्ट करने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अब इसी शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाने में स्न्ढ्ढक्र दर्ज हो गई है। पुलिस वीडियो की जांच के साथ आरोपी युवक की पहचान करने में जुटी है।

इस मामले में पुलिस अब वीडियो के स्रोत और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले व्यक्ति की पहचान करेगी। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की ओर से महापौर के खिलाफ इस तरह की भाषा को लेकर कड़ा विरोध जताया गया था और आरोपी पर कार्रवाई की मांग की गई थी।

छत्तीसगढ़ के सहकारी बैंकों में 1360 पदों पर होगी भर्ती : इनमें 1162 पद समिति प्रबंधकों के, रायपुर में सबसे ज्यादा 508 वैकेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल्द 5 सहकारी बैंक क्षेत्रों में कुल 1360 पदों पर भर्ती होगी। इनमें 198 पद जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के हैं, जबकि 1162 पद समिति प्रबंधकों के हैं। सबसे ज्यादा भर्ती रायपुर क्षेत्र में 508 पदों पर होगी। इसके बाद बिलासपुर में 444, बस्तर-जगदलपुर में 187, दुर्ग-राजनांदगांव में 154 और रायगढ़ में 67 पद भरे जाएंगे।

भर्ती में सबसे बड़ा हिस्सा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों यानी पैक्स का है। यहां समिति प्रबंधक के 1162 पद भरे जाएंगे। इनमें 596 पदों पर सीधी भर्ती होगी, जबकि 566 पद सीमित चयन के जरिए भरे जाएंगे। यानी युवाओं के लिए सीधे आवेदन कर नौकरी पाने का बड़ा मौका रहेगा।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में 198 पद स्वीकृत किए गए हैं। इनमें उप प्रबंधक, प्रोग्रामर, सहायक प्रबंधक, फील्ड ऑफिसर, सहायक प्रोग्रामर और सामान्य सहायक जैसे पद शामिल हैं। इन कर्मचारियों के आने से बैंक के तकनीकी, प्रशासनिक और मैदानी काम संभालने में मदद मिलेगी।

21 अगस्त की बैठक के बाद तेजी से बढ़ी प्रक्रिया

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने 21 अगस्त को विभागीय समीक्षा बैठक में सहकारी बैंकों और समितियों में खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद बैंकों से आए प्रस्तावों की जांच की गई और अब भर्ती की अनुमति दी गई है।

हालांकि, भर्ती की तारीख और आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी अभी अलग से जारी की जानी है। इसलिए फिलहाल 1360 पदों की अनुमति को ही भर्ती की शुरुआत माना जा सकता है।

किसानों को भी फायदा, बैंकिंग काम होगा आसान

इन पदों पर नियुक्तियां होने का असर सिर्फ नौकरी तक सीमित नहीं रहेगा। सहकारी बैंक और पैक्स गांवों में किसानों के लोन, खाद-बीज, बैंकिंग और सरकारी योजनाओं से जुड़े काम करते हैं।

समिति प्रबंधकों की संख्या बढ़ने से किसानों के लोन प्रकरण, रिकॉर्ड, लेन-देन और दूसरी सेवाओं के काम तेजी से निपटने की उम्मीद है। पैक्स के कम्प्यूटरीकरण और डिजिटल कामकाज में भी कर्मचारियों की भूमिका रहेगी।

भर्ती में आरक्षण और सेवा नियम लागू होंगे

भर्ती संबंधित कर्मचारी सेवा नियम-2023 और आरक्षण नियमों के अनुसार होगी। चयन प्रक्रिया में संबंधित संभागीय संयुक्त पंजीयक को भर्ती-चयन समिति का सदस्य बनाया जाएगा।

विभाग के अनुसार भर्ती प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में चल रही विशेष अनुमति याचिका के अंतिम आदेश के अधीन रहेगी।

नवंबर के शुरुआत में ही 5 ट्रेनें हुई रद्द : झारसुगुड़ा-बागडिही में चौथी रेल लाइन का काम चलेगा, उत्कल एक्सप्रेस का रूट बदला

रायपुर। नवंबर की शुरुआत में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के बागडिही स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग और चौथी रेल लाइन की कमीशनिंग का काम किया जाएगा।

इसके चलते 1 से 3 नवंबर तक पांच ट्रेनें कैंसिल रहेंगी, जबकि पुरी-ऋषिकेश और ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस बदले हुए रूट से चलेगी।

तीन दिन चलेगा नॉन-इंटरलॉकिंग काम

रेलवे के मुताबिक 1 और 2 नवंबर को प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और 3 नवंबर को नॉन-इंटरलॉकिंग यानी एनआई वर्क होगा। इस दौरान बागडिही-झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेल लाइन को कमीशन करने का काम भी किया जाएगा। काम के चलते इस रूट से गुजरने वाली कुछ ट्रेनों के ऑपरेशन में बदलाव किया गया है।

इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस तीन दिन कैंसिल

18109/18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस 1 से 3 नवंबर तक दोनों दिशाओं में कैंसिल रहेगी। इसके अलावा 31 अक्टूबर की मालदा टाउन-सूरत एक्सप्रेस और 2 नवंबर की सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस भी रद्द रहेगी।

तिरुपति-रक्सौल एक्सप्रेस भी नहीं चलेगी

17433 तिरुपति-रक्सौल एक्सप्रेस 2 नवंबर को कैंसिल रहेगी। वहीं इसकी वापसी वाली 17434 रक्सौल-तिरुपति एक्सप्रेस 5 नवंबर को रद्द रहेगी।

उत्कल एक्सप्रेस का रूट बदलेगा

18477 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस 2 नवंबर को कटक-संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ा रोड-ईब के रास्ते चलेगी। वहीं 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस ईब-झारसुगुड़ा रोड-संबलपुर सिटी-कटक होकर जाएगी।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज आपके पराक्रम और आय में वृद्धि के अच्छे योग बन रहे हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। नए प्रोजेक्ट, योजनाएं और कार्य आपके लिए सफलता के द्वार खोल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और निर्णय क्षमता की सराहना होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को नए संपर्कों और अवसरों से लाभ मिल सकता है।

वृषभ। आज करियर और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी, पद में बदलाव या उन्नति से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। व्यवसाय में भी नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। निवेश या बड़े लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करें।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में आपकी बौद्धिक क्षमता और संवाद कौशल विशेष रूप से प्रभावी रहेंगे। जटिल कार्यों को समझने और सही समाधान निकालने की आपकी योग्यता आपको दूसरों से आगे रख सकती है। व्यापार से जुड़े लोग कोई बड़ा और लाभदायक निर्णय ले सकते हैं। नई योजना, साझेदारी या विस्तार पर विचार करने के लिए समय अनुकूल है।

कर्क। आज नौकरी और करियर के क्षेत्र में अच्छी खबर मिलने की संभावना है। पदोन्नति, नई जिम्मेदारी या कार्यक्षेत्र में बदलाव आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए स्रोतों पर भी विचार किया जा सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा।

सिंह। आज लंबे समय से अटके हुए कार्यों में गति आने की संभावना है। आपकी मेहनत और धैर्य का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य से अच्छी खबर मिल सकती है। समाज और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ने के योग हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। व्यवसाय में पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है। नए कार्यों की शुरुआत भी सोच-समझकर की जा सकती है।

कन्या। आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और सहकर्मियों का सहयोग मिलने से कठिन काम भी आसानी से पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों की कार्यक्षमता की प्रशंसा हो सकती है। व्यवसाय में नई योजना पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

तुला। आज आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगी। जीवनसाथी और परिवार के साथ बेहतरीन समय बिताने का अवसर मिलेगा। रिश्तों में मधुरता और आपसी समझ बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

वृश्चिक। आज दिन की शुरुआत काम और जिम्मेदारियों की अधिकता के साथ हो सकती है। कार्यक्षेत्र में एक साथ कई कामों को संभालना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य और लगातार मेहनत से सफलता मिलेगी। जल्दबाजी करने के बजाय प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ें। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, हालांकि किसी बात को लेकर मतभेद भी हो सकता है। व्यवसाय में धीरे-धीरे प्रगति के संकेत हैं।

धनु। आज भाग्य का अच्छा साथ मिलने से कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। कारोबार या नौकरी में उन्नति के योग हैं और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। नए अवसरों को पहचानकर सही समय पर निर्णय लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। यात्रा के योग भी बन रहे हैं और यह यात्रा व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से लाभदायक साबित हो सकती है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर। आज आपके परिश्रम का सुखद परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की सराहना हो सकती है। व्यवसाय में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने पर लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना जरूरी होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहें और खान-पान में लापरवाही न करें। परिवार के किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। पुराने कार्यों को पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

कुंभ। आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन किसी भी निर्णय से पहले पूरी जानकारी जरूर प्राप्त करें। मित्रों और परिचितों का सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं और आपकी योजनाओं को समर्थन मिल सकता है। व्यवसाय में विस्तार या नई साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मीन। आज मन प्रसन्न और उत्साहित रहेगा। शिक्षा, कला, लेखन और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए विशेष सफलता के योग बन रहे हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है और नई उपलब्धि प्राप्त होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच की सराहना होगी। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें तथा अनावश्यक खर्चों से बचें। किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात खुशी दे सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मानसिक रूप से सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की अनुमति के बिना 11 करोड़ में बनाए गए हैं 15 ईको-कॉटेज

सुप्रीम कोर्ट सख्त:दलमा का ईको कॉटेज विवादों में फंसा, सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने झारखंड सरकार को नोटिस जारी कर पूछा-क्यों न इन ढांचों को हटा दिया

जमशेदपुर। दलमा वन्यप्राणी अभयारण्य में ईको-टूरिज्म के नाम पर हुए निर्माण को लेकर झारखंड सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी ने झारखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। पूछा है कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की अनुमति के बिना बनाए गए इन ढांचों को क्यों न हटा दिया जाए।

कमेटी ने इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान और जवाबदेही तय करने को भी कहा है। सरकार के जवाब के बाद कमेटी आगे की कार्रवाई करेगी। मामले की अगली सुनवाई 9 ि?सतंबर को होगी। करीब 11 करोड़ रुपए से बने ईको कॉटेज का दो अगस्त को पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने इसका उद्घाटन किया था।

करीब 20 करोड़ की योजनाएं जांच के दायरे में

11 करोड़ से दलमा के मकुलाकोचा में 15 ईको-कॉटेज तैयार, उद्घाटन हो चुका।

4 करोड़ से चोटी स्थित पिंडराबेड़ा में 15 ईको-कॉटेज का निर्माण जारी।

डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का दलमा में मड हाउस तैयार।

करीब 3 करोड़ से मकुलाकोचा में ट्राइबल म्यूजियम भी तैयार।

तीन बार मामला उठा चुके हैं सरयू राय

5 जून : दलमा की संरचनाओं को जियोलॉजिकल हेरिटेज घोषित करने की मांग को लेकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा।

2 अगस्त: ईको रेस्ट हाउस के निर्माण पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग की।

11 अगस्त: विधानसभा में बिना स्वीकृति निर्माण का मामला उठाया।

ईको कॉटेज का निर्माण अवैध... दलमा में हुआ ईको कॉटेज का निर्माण पूरी तरह अवैध है, हमने पहले ही कार्रवाई की मांग सीएम से की है। अब सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में सरकार को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।-सरयू राय विधायक, जमशेदपुर

बिना मंजूरी करोड़ों की निर्माण प्रक्रिया की जांच बेहद जरूरी

एनबीडब्ल्यूएल की अनुमति के बिना करोड़ों रुपए के निर्माण गंभीर सवाल खड़े करते हैं। जांच होनी चाहिए कि परियोजना को स्वीकृति कैसे मिली। डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया, वर्क ऑर्डर, भुगतान विवरण, ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की फाइल नोटिंग की जांच से स्पष्ट हो सकता है कि परियोजना की लागत कैसे तय हुई, टेंडर किसे मिला, भुगतान किस आधार पर हुआ और निर्माण की अनुमति किन दस्तावेजों के आधार पर दी गई।

माध्यमिक ?सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा पर फैसला: 5 निजी विश्वविद्यालय के 218 अभ्यर्थियों का सर्टिफिकेट जांचेगा शिक्षा विभाग

रांची। माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्ति मामले में निजी यूनिवर्सिटी से पास अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की फिर से जांच होगी। यह जांच उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग करेगा। शिक्षा विभाग ने इसके लिए पत्र भेजा है। माध्यमिक सहायक आचार्य के लिए अनुशंसित 877 अभ्यर्थियों में से 218 निजी यूनिवर्सिटी से पास हुए हैं। इन्होंने अपनी शैक्षणिक डिग्रियां (जैसे बीएड, एमए या अन्य संबंधित योग्यताएं) देश या राज्य के निजी विश्वविद्यालयों से ली हैं। इतनी बड़ी संख्या में निजी यूनिवर्सिटी से पास अभ्यर्थियों के चयन होने से उनकी योग्यता और डिग्री की वैधता को लेकर शिक्षा विभाग ने सम्यक जांच का निर्णय लिया है।

शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने इन अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की सूक्ष्मता से जांच करने पर जोर दिया है। ऐसे में यह स्पष्ट हो चुका है कि नियुक्ति पत्र वितरण में अभी समय लगेगा। फिर से फ्रेश काउंसलिंग भी हो सकता है। निजी विश्वविद्यालयों से पास हुए अभ्यर्थियों में झारखंड के राधागोविंद विश्वविद्यालय, वाईबीएन विश्वविद्यालय, सिक्किम के अल्पाइन विश्वविद्यालय समेत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के तीन प्राइवेट यूनिवर्सिटी के हैं। हाल ही में हुई महिला पर्यवेक्षिकाओं की नियुक्ति में भी झारखंड के इन दो निजी विश्वविद्यालयों से पास हुई अभ्यर्थियों पर सवाल खड़े हुए थे। शिक्षा विभाग इस संदर्भ में सर्तकता से आगे बढ़ रहा है।

877 अभ्यर्थियों की अनुशंसा, इनमें 218 निजी विवि से पास

महिला पर्यवेक्षिका नियुक्ति में गड़बड़ी मिलने पर हुई जांच 33 महिला पर्यवेक्षिकाओं की नियुक्ति में अनियमितता उजागर होने के बाद शिक्षा विभाग ने आंतरिक जांच कराई। स्क्रूटनी में पता चला कि यहां भी निजी यूनिवर्सिटी से पास आउट अभ्यर्थियों की संख्या अधिक है। ऐसे में इन अभ्यर्थियों के एक-एक प्रमाण पत्रों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। राज्य में लगभग 1373 माध्यमिक सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। इनमें से 877 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा जेएसएससी ने शिक्षा विभाग से की है। इन अभ्यर्थियों के बारे में शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को शिकायत मिली। जब जांच हुई, तो इसकी पुष्टि हुई। आशंका है कि साइबर सिक्यूरिटी एंड डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और एआई के कुछ अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र गलत हो सकते हैं।

+2 उच्च विद्यालयों में नियुक्ति के लिए अनुशंसित हुआ नाम यह नियुक्ति परीक्षा राज्य के प्लस-टू उच्च विद्यालयों में विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित माध्यमिक आचार्यों (कक्षा 9 से 12) के लिए आयोजित की गई थी। जेएसएससी द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा, निर्धारित अर्हता तथा दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही अंतिम अनुशंसा सूची तैयार की गई है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और झारखंड सरकार के नियुक्ति नियमों के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री प्राप्त करने वाले योग्य और पात्र अभ्यर्थी इस प्रक्रिया में शामिल होने के पात्र माने गए हैं। पूरी चयन प्रक्रिया निर्धारित नियमों और मानकों के तहत संपन्न हुई है।

निजी यूनिवर्सिटी की डिग्री की होगी जांच : निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा कि माध्यमिक सहायक आचार्य नियुक्ति की अनुशंसा में शामिल कई अभ्यर्थियों ने निजी यूनिवर्सिटी से डिग्री ली है। उनके प्रमाण पत्रों की जांच उच्च शिक्षा विभाग करेगा। जांच के बाद ही इनकी वैधता और मान्यता को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

भारी बारिश से फरक्का के पास रेलवे ट्रैक धंसा: पाकुड़ होकर जाने वाली एक दर्जन ट्रेनें रद्द

पाकुड़। पश्चिम बंगाल के फरक्का और तीलडांगा के बीच रेलवे ट्रैक धंस गया है। इस वजह से पाकुड़ होकर गुजरने वाली करीब एक दर्जन ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं या उनका रूट बदल दिया गया है। इससे पश्चिम बंगाल, खासकर कोलकाता जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। पिछले दो-तीन दिनों से संथाल परगना और पश्चिम बंगाल में लगातार बारिश हो रही है। इससे ग्रामीण इलाकों में पानी भर गया है और पाकुड़ जिले से गुजरने वाली कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। खेतों में भी पानी जमा हो गया है। लगातार बारिश के बीच पश्चिम बंगाल के फरक्का के पास रेलवे ट्रैक गुरुवार को अचानक धंस गया। ट्रैक धंसने के बाद गुरुवार को ही कई ट्रेनों का रूट बदला गया ताकि वे अपनी मंजिल तक पहुंच सकें। रेलवे ट्रैक की मरम्मत के लिए विशेषज्ञों की टीम भी बुलाई गई है। ट्रैक धंसने के कारण शुक्रवार को भी पाकुड़ रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली करीब एक दर्जन ट्रेनें रद्द की गईं और कई का रूट बदला गया।

अयोध्या का पुजारी बन आए ठग: बुजुर्ग महिला से 20 लाख के गहने ले भागे, बेटे की दुर्घटना का डर दिखाया

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के शिव शक्तिनगर में गुरुवार सुबह मंदिर में पूजा कर घर लौट रही बुजुर्ग महिला रेणु कुशवाहा से ठगों ने करीब 20 लाख रुपए के गहने ठग लिए। घटना सुबह 9.45 बजे वाल्मीकि नगर में हुई। भुक्तभोगी रेणु कुशवाहा, पति स्व. उदय कुमार कुशवाहा (पूर्व जेल सुपरिंटेंडेंट), ने सुखदेवनगर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार, दोनों ठगों की उम्र 30-35 वर्ष के बीच है।

एक युवक ने खुद को अयोध्या का पुजारी बताकर महिला को रोका और बातचीत में उलझा लिया। इसके बाद दोनों युवकों ने अलग-अलग तरीके से उसका विश्वास जीता और उपाय के नाम पर गहने उतरवा लिए। महिला ने शिकायत में बताया कि ठग चार कंगन (50 ग्राम), दो हीरा जड़ित चूड़ी, 10 ग्राम सोने की चेन और एक लॉकेट ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटे की दुर्घटना के उपाय के नाम पर झांसा रेणु कुशवाहा के अनुसार, खुद को अयोध्या का पुजारी बताने वाले युवक ने पहले पानी पीने के लिए पांच रुपए मांगे। इसी दौरान उसका साथी भी वहां पहुंच गया। युवक ने महिला से कहा कि उसके बेटे की कल दुर्घटना होना तय है। इससे महिला घबरा गई। दूसरे युवक से कहा कि तुम्हारी मां भी बीमार है, तुम 11 रुपए हाथ में लेकर आगे बढ़ो, हनुमान जी के दर्शन होंगे। युवक कुछ दूर जाकर लौटा और हाथ में हनुमान जी की मूर्ति दिखाई। इससे महिला को उनकी बात पर विश्वास हो गया।

हनुमानजी को पसंद नहीं सोना, गहने उतारो पीड़िता के अनुसार, इसके बाद ठग ने उसे भी हाथ में 51 रुपए लेकर आगे बढ़ने को कहा। महिला जैसे ही आगे बढ़ी, उसने कहा कि हनुमान जी को सोना पसंद नहीं है। रावण की सोने की लंका भी हनुमान जी ने जला दी थी। उसने महिला से गहने उतारकर युवक को देने और बाद में वापस ले लेने को कहा। महिला ने गहने उतारकर युवक को दे दिए। जैसे ही वह आगे बढ़ी, दोनों युवक जेवर लेकर भाग निकले।

ओसीटी व फंडस फोटोग्राफी मशीन खरीदी जाएगी: सदर राज्य का पहला अस्पताल, जहां रेटिना हेमरेज का इलाज होगा

रांची। रेटिना हेमरेज के मरीजों के लिए राहत की खबर है। राज्य में पहली बार सरकारी अस्पताल में इसका इलाज शुरू होने जा रहा है। रांची सदर अस्पताल ने स्वास्थ्य विभाग को प्रस्ताव भेजकर जरूरी उपकरण और विशेषज्ञ टीम मांगी है। अस्पताल में एक सप्ताह के भीतर ओसीटी (ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी) और फंडस फोटोग्राफी मशीन लगाने की तैयारी है।

मशीनें लगते ही इलाज शुरू होगा। डॉ. प्रिया मरीजों का इलाज करेंगी। निजी अस्पतालों में इंजेक्शन की पहली डोज पर 18-20 हजार रुपए खर्च होते हैं, जबकि सदर अस्पताल में यह करीब 6 हजार रुपए में उपलब्ध होगा। रेटिना हेमरेज के संपूर्ण इलाज पर निजी अस्पतालों में एक लाख रुपए तक खर्च होते हैं, जबकि सदर में करीब 20 हजार रुपए में इलाज होगा।

आयुष्मान से जोड़ने की भी तैयारी : सदर अस्पताल में शुरू होने वाली इस सुविधा को आयुष्मान योजना से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। मुफ्त में इलाज होगा।

शुगर-बीपी पर नियंत्रण जरूरी रेटिना हेमरेज की गंभीर बीमारी से बचाव के लिए साल में कम से कम एक बार रेटिना की जांच करानी चाहिए। मरीज के शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना जरूरी है। एक बार आंखों की रोशनी कम होने या चले जाने के बाद अस्पताल पहुंचने पर इलाज अधिक मुश्किल हो सकता है। - डॉ. प्रिया, नेत्र विषेशज्ञ, सदर अस्पताल रांची

सदर अस्पताल में रेटीना हेमरेज से जूझ रहे मरीज बड़ी संख्या में आते हैं। राज्य में किसी भी सरकरी अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण मरीजों को निजी अस्पताल में महंगा इलाज कराना पड़ता है। अस्पताल में यही सुविधा मरीजों को कम कीमत में उपलब्ध होगा। - **डॉ. विमलेश सिंह, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल रांची।**

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

पिछले अंक का उत्तर

4	9	2	7	8	6	1	3	5
7	1	3	5	9	4	6	2	8
6	5	8	3	1	2	7	4	9
8	6	7	2	5	3	4	9	1
2	3	9	4	7	1	5	8	6
5	4	1	8	6	9	2	7	3
1	2	4	9	3	5	8	6	7
9	8	6	1	4	7	3	5	2
3	7	5	6	2	8	9	1	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

बत्तख-मुर्गी पालन से सालाना कमा रहीं 10 लाख रुपए

चतरा। चतरा जिले के टंडवा प्रखंड की भगिया देवी ने बिना किसी सरकारी मदद के आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

उन्होंने बत्तख और मुर्गी पालन का एक सफल मॉडल तैयार किया है। इससे वे सालाना 10 लाख रुपए तक की कमाई कर रही हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं।

कोयद पंचायत के ढिबरटोला निवासी भगिया देवी (पति नागों साव) को अपने मायके में बत्तख पालन देखकर प्रेरणा मिली थी। ससुराल लौटने के बाद उन्होंने भी इसे अपनाने का फैसला किया।

1100 बत्तखें मंगवाकर अपना स्वरोजगार शुरू किया

भगिया देवी ने गांव से 3 लाख रुपए का कर्ज लिया। इसके बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश से 1100 बत्तखें मंगवाकर अपना स्वरोजगार शुरू किया। आज उनके फार्म में करीब 650 बत्तखें और 1000 सोनाली प्रजाति के मुर्गे-मुर्गियां हैं।

मंधाना विमेंस इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर:मिताली का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा शतक भी लगाए; दीप्ति टॉप विकेट टेकर

दुबई। भारत ने विमेंस एशिया कप में हॉन्गकॉन्ग को 137 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने 124 रन की पारी में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए।

मंधाना विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा। साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वहीं दीप्ति शर्मा महिला टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर बन गई हैं।

स्मृति 10,880 रन के साथ महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने भारत की ही मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा। मिताली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,868 रन बनाए हैं।

स्मृति मंधाना 18 शतकों के साथ महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने टेस्ट में 2, वनडे में 14 और टी-20 में 2 शतक लगाए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग के 17 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा।

स्मृति मंधाना 95 छक्कों के साथ महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ा। हरमनप्रीत ने टी-20 इंटरनेशनल में 89 छक्के लगाए हैं।

स्मृति ने 124 रन के साथ महिला टी-20 एशिया कप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाया। उन्होंने श्रीलंका की चमारी अटापट्टू का रिकॉर्ड तोड़ा। अटापट्टू ने एशिया कप में नाबाद 119 रन बनाए थे।

स्मृति मंधाना ने टी-20 के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार 500+ रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने चौथी बार यह कारनामा किया। उन्होंने 2018, 2022, 2024 और 2026 ऐसा किया। श्रीलंका की चमारी अटापट्टू 3 बार के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गई हैं।

स्मृति मंधाना ने 93वां 50+ स्कोर बनाया। उन्होंने महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में मिताली राज की बराबरी कर ली है।

भारत ने गुरुवार को पारवप्ले में बिना विकेट खोए 60 रन बनाए। यह महिला टी-20 एशिया कप में पावरप्ले का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहले नंबर पर भी भारत ही है। टीम ने अपने पिछले मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1 विकेट पर 65 रन बनाए थे।

स्कोर	टीम	Vs	मैदान	साल
65/1	भारत	Vs थाईलैंड	दुबई	2026
60/0	भारत	Vs हांगकांग	दुबई	2026
59/0	भारत	Vs बांग्लादेश	सिलहट	2022
58/1	श्रीलंका	Vs यूएई	दुबई	2026
57/0	भारत	Vs पाकिस्तान	दांबुला	2024
56/3	भारत	Vs यूएई	दांबुला	2024

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 76650 पर पहुंचाः निफ्टी में भी 50 अंक की तेजी, ये 23950 के स्तर पर कारोबार कर रहा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 4 सितंबर को तेजी का माहौल देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 500 अंक चढ़कर 76,600 से 76,650 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में भी करीब 50 अंकों की तेजी दर्ज की गई और यह 23,950 के स्तर के आसपास कारोबार करता नजर आया। पिछले कारोबारी सत्र में भारी उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई।

एशियाई बाजारों से भी सकारात्मक संकेत मिले। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.24 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.89 प्रतिशत और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 2.14 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार करता नजर आया। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले कारोबारी सत्र में मजबूती रही। डाउ जोन्स 624 अंक यानी 1.18 प्रतिशत चढ़ा, जबकि नैस्डैक में 1.40 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 1.06 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

घरेलू संस्थागत निवेशक यानी **DII** की खरीदारी भी बाजार के लिए सकारात्मक बनी हुई है। पिछले सात दिनों में **DII** ने 14,226 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी **FII/FPI** की ओर से इसी अवधि में शुद्ध बिकवाली का रुख बना रहा।

इससे पहले गुरुवार, 3 सितंबर को बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। इंडिकेटिव क्लोजिंग के दौरान सेंसेक्स अचानक करीब 2,100 अंक तक नीचे फिसल गया था।

सोना 967 बढ़कर 1.55 लाख पर पहुंचा:चांदी 2,439 महंगी होकर 2.33 लाख किलो हुई; इस साल सोना 22 हजार महंगा हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 967 रुपए चढ़कर 154908 लाख रुपए हो गई है।

एक किलो चांदी की कीमत आज 2,439 रुपए बढ़कर 234972 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोना ?22 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 22 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.55 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

राज्य के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंट सूर्या-कप का फाइनल आज:पीटीएस माना और शिव-शक्ति सरोनी की टीम भिड़ेगी, जीतने वाली टीम में मिलेंगे 5 लाख

रायपुर। राजधानी में चल रहे टेनिस क्रिकेट के सबसे चर्चित टूर्नामेंट सूर्या कप सिल्वर लीग का फाइनल मुकाबला अब तय हो गया है। फाइनल में पीटीएस माना और शिव शक्ति सरोना की टीमें आमने-सामने होंगी।

दोनों टीमों के बीच 4 सितंबर को नवा रायपुर के डीबी 2 ग्राउंड पर सुबह 9 बजे से खिताब के लिए जोरदार टक्कर देखने को मिलेगी। सूर्या कप का यह 8वां सीजन है। टूर्नामेंट में रायपुर की 44 टीमों ने हिस्सा लिया और करीब 900 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। आयोजकों के मुताबिक इस सीजन में कुल 220 मैच खेले गए।

सूर्या कप सिल्वर लीग का आयोजन लगातार करीब दो महीने से ज्यादा समय तक चला। टूर्नामेंट में शहर की अलग-अलग टीमों के खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया। एयरपोर्ट ग्राउंड में खेले गए मुकाबलों में हर मैच के साथ कॉम्पिटिशन बढ़ता गया और अब टूर्नामेंट अपने आखिरी मुकाबले तक पहुंच गया है।

इस बार टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के लिए सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि अच्छी-खासी प्राइज मनी भी रखी गई है। चैंपियन टीम को 5 लाख रुपए का कैश प्राइज मिलेगा। इसके अलावा कुल 10 टीमों को अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाएंगे।

सूर्या कप की खास बात यह है कि यहां ऐसे खिलाड़ियों को भी खेलने का मौका मिलता है, जिन्हें बड़े लेवल के टूर्नामेंट में आसानी से प्लेटफॉर्म नहीं मिल पाता। टेनिस क्रिकेट के जरिए कई लोकल खिलाड़ी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

आयोजक रिजवान सूर्या ने बताया अलग-अलग कैटेगरी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ईवी बाइक देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा दर्शकों को कई कैटेगरी में आवार्ड दिए जाएंगे।

फाइनल में दोनों टीमों पर नजर

फाइनल में अब पीटीएस माना और शिव शक्ति सरोना की टक्कर होगी। दोनों टीमों के खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां तक पहुंचे हैं। ऐसे में फाइनल में बल्लेबाजों के साथ गेंदबाजों और फील्डिंग का प्रदर्शन भी मैच का रुख तय कर सकता है।

आयोजन में मेयर मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, तोशेंद्र देव साय, प्रीतम जैन, मोहित पुजारी, शीतल सिंह ठाकुर और आकाश माधवानी राघवेंद्र ठाकुर, विनय गोविनदानी।

जितेंद्र सिंह, शमीम खान, दुर्गा दास लवानी, मीनामय सिंह देव, हरी हरन, जावेद, राहुल लावानी, राकेश पाहुजा, विषय तिवारी और हरीश अडवानी भी चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद रहेंगे।

वर्ल्ड नंबर-4 ओगर-अलियासिम US ओपन से बाहरः 50वें नंबर के खाचानोव ने हराया; स्वियातेक और ओसाका तीसरे राउंड में पहुंची

न्यूयॉर्क में गुरुवार को स ओपन 2026 के दूसरे राउंड में उलटफेर हुआ। मेंस सिंगल्स में दुनिया के 50वें नंबर के रूस के करेन खाचानोव ने वर्ल्ड नंबर-4 कनाडा के फेलिक्स ओगर-अलियासिम को 6-7, 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया।

पहला सेट गंवाने के बाद खाचानोव ने लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, विमेंस सिंगल्स में इगा स्वियातेक और नाओमी ओसाका भी तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

पहला सेट गंवाकर खाचानोव ने पलटा मैच

ओगर-अलियासिम ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली थी। खाचानोव ने वापसी करते हुए स्कोर 4-4 किया और पहला सेट टाईब्रेकर तक पहुंचाया। हालांकि, टाईब्रेकर में कनाडाई खिलाड़ी ने सेट जीत लिया।

दूसरे राउंड के इस मुकाबले में इसके बाद खाचानोव ने दबदबा बना लिया। दूसरे सेट में उन्होंने 3-0 की बढ़त बनाकर 6-3 से सेट जीता। तीसरे सेट में 6-2 और चौथे सेट में भी 6-2 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

यह ग्रैंड स्लैम में उनकी दूसरी टॉप-10 जीत है। इस जीत के साथ वह एक ही साल में चारों ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंचने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

तीसरे राउंड में खाचानोव का सामना फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी और पेरू के इग्नासियो बुसे के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

त्रिसा-गायत्री के कोच का नाम एशियन गेम्स लिस्ट में नहींः वर्ल्ड चैंपियनशिप में 15 साल बाद मेडल दिलाया

एशियन गेम्स के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की आधिकारिक कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ लिस्ट में त्रिसा-जॉली और गायत्री गोपीचंद के कोच बी. सुमित रेड्डी का नाम शामिल नहीं है।

त्रिसा-गायत्री ने अगस्त में नई दिल्ली में हुई वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स में मेडल दिलाया था। ऐसे में एशियन गेम्स से पहले जोड़ी के डेडिकेटेड कोच का टीम के साथ नहीं होना अहम है।

मार्च 2025 से जोड़ी के साथ काम कर रहे सुमित

पूर्व ओलिंपियन बी. सुमित रेड्डी ने मार्च 2025 में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लिया था। इसके बाद से वह हैदराबाद की पुलेला गोपीचंद अकादमी में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को ट्रेनिंग दे रहे हैं। वह अकादमी में अन्य विमेंस डबल्स खिलाड़ियों के साथ भी काम करते हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी सुमित रेड्डी ट्रीसा-गायत्री के कोचिंग कॉर्नर में चीफ कोच पुलेला गोपीचंद के साथ मौजूद थे। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान जोड़ी की रणनीति और खेल में सुधार को लेकर काम किया था। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का मेडल पक्का किया था। यह 2011 के बाद विमेंस डबल्स में भारत का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल था। जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर-4 चीन की जिया यिफान और झांग शुशियान की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत के साथ भारत का 2011 से चला आ रहा वर्ल्ड चैंपियनशिप में कम से कम एक मेडल जीतने का सिलसिला भी जारी रहा।

श्रीलंका के कप्तान मेंडिस टी-20 सीरीज से बाहरः असलंका इंग्लैंड के खिलाफ कप्तानी करेंगे, फर्नांडो भी नहीं खेलेंगे

श्रीलंका के लिमिटेड ओवर्स कप्तान कुसल मेंडिस इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (स्ष्ट) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मेंडिस को दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है।

31 साल के मेंडिस के वनडे सीरीज में खेलने पर अभी फैसला नहीं हुआ है। चरिथ असलंका टी-20 सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो भी चोट से उबरने के लिए चल रही रिहैबिलिटेशन के कारण टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगे। स्ष्ट ने बताया कि फर्नांडो को पीठ में चोट लगी है।

दो खिलाड़ियों की जगह नए नाम

SLC ने मेंडिस और फर्नांडो की जगह पवन रथनायके और दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच पहला टी-20 मैच 15 सितंबर को साउथम्पटन में खेला जाएगा। दूसरा मैच इसके दो दिन बाद 17 सितंबर को कार्डिफ में होगा। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 19 सितंबर को मैनचेस्टर में खेला जाएगा।

22 सितंबर से वनडे सीरीज

दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज 22 सितंबर से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में शुरू होगी। दूसरा वनडे 24 सितंबर को हेडिंग्ले और तीसरा मैच 27 सितंबर को द ओवल में खेला जाएगा। मेंडिस के वनडे सीरीज में खेलने की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मेंडिस ने टी-20 इंटरनेशनल में 2500+ रन बनाए

कुसल मेंडिस ने श्रीलंका के लिए टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू 5 जुलाई 2016 को इंग्लैंड के खिलाफ किया था। मेंडिस ने 109 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2694 रन बनाए हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में जल-क्रांति, समृद्ध किसान - सशक्त को कर रहा है साकार

विकसित भारत-जी राम जी' योजना से संवर रही किसानों की तकदीर

रायपुर। पानी को जीवन का पर्याय माना गया है, लेकिन मानसून में यही पानी जब खेतों से बहकर व्यर्थ निकल जाता है, तो किसानों के हाथ केवल सूखी मिट्टी और निराशा ही लगती है। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने इस निराशा को आशा में बदलने की ठानी है। जिला प्रशासन की दूरदर्शिता और 'विकसित भारत-जी राम जी' (ङ्कद्बत्रक्ष्) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब गाँव-गाँव में पानी सहेजने की एक मौन क्रांति आकार ले रही है। कभी बह जाने वाला वर्षा जल अब डबरियों (कच्चे तालाबों) में सिमटकर किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया आधार बन चुका है।

प्रशासनिक प्रतिबद्धता से धरातल पर उतरी योजना

प्रशासनिक सजगता और स्पष्ट कार्ययोजना के बल पर जिले के ग्रामीण अंचलों में जल संरक्षण के साथ-साथ आजीविका संवर्धन के प्रयासों को नई दिशा मिल रही है। प्रशासन के कुशल निर्देशन में 'डबरी निर्माण' को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी समन्वित प्रयास का परिणाम है कि जिले में कुल 319 डबरियों की स्वीकृति प्रदान की गई, जिनमें से 200 डबरियों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जबकि शेष 119 डबरियों का कार्य अंतिम चरणों में है। क्षेत्रवार स्थिति पर नज़र डालें तो बिलाईगढ़ में 132, बरमकेला में 103 तथा सारंगढ़ में 84 डबरियाँ स्वीकृत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल-संवर्धन को मजबूती दी जा रही है।

25 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचयन और 300 एकड़ भूमि की सिंचाई

इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है—वर्षा जल का विशाल संचयन। पूर्ण और निर्माणाधीन डबरियों के माध्यम से जिले में लगभग 25 करोड़ लीटर वर्षा जल को सहेजने का लक्ष्य है।? संचित जल से जिले की लगभग 300 एकड़ कृषि भूमि को प्रत्यक्ष सिंचाई का लाभ मिलेगा। इसके अलावा डबरियों में जल ठहरने से आसपास का भू-जल स्तर (तह्र्श्ह्वठ्ठस्र2ड्डह्लद्गह्ल द्यद्ग1द्गद्य) तेजी से रीचार्ज हो रहा है, जिससे कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर भी सुधरा है।

सिंचाई के साथ मछली पालन

डबरी अब केवल पानी रोकने की संरचना नहीं रह गई है, बल्कि यह किसानों के लिए एक बहुआयामी आजीविका मॉडल बन चुकी है। पर्याप्त पानी उपलब्ध होने से किसान अब केवल खरीफ (धान) की फसल तक सीमित नहीं हैं। वे गर्मी और रबी के मौसम में हरी सब्जियों तथा नकदी फसलों की खेती कर रहे हैं।

संचित जल का उपयोग न केवल फसल अपितु मछली पालन के लिए किया जा रहा है। इससे किसान अपनी ही जमीन पर बिना किसी बड़े अतिरिक्त निवेश के हर साल अच्छी-खासी पूरक आय अर्जित कर रहे हैं। ?इस योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दोहरे तरीके से मजबूती प्रदान की है। एक तरफ जहाँ निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों को उनके ही गाँव और खेतों में रोजगार प्राप्त हुआ, वहीं दूसरी तरफ उनके पास एक ऐसी टिकाऊ परिसंपत्ति तैयार हो गई, जो आने वाले कई दशकों तक उनकी आजीविका को सुरक्षा कवच प्रदान करेगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत हुआ यह जल-संवर्धन कार्य इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि यदि सही नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाए, तो प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करके ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। यह जल-क्रांति न केवल जल संकट का स्थायी समाधान प्रस्तुत कर रही है, बल्कि 'समृद्ध किसान - सशक्त जिला' की सोच को भी साकार कर रही है।

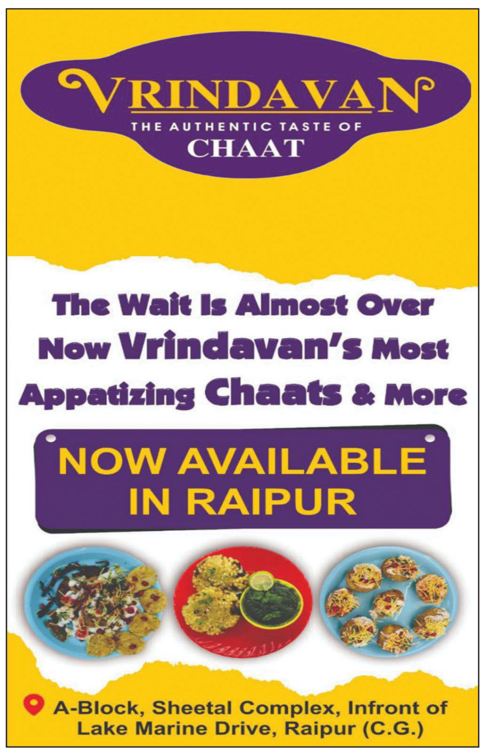

रायगढ़ की बदलेगी तस्वीरः विकास परियोजनाओं का वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने किया मैराथन निरीक्षण

रायगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में रायगढ़ को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने शुक्रवार को शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण किया। उन्होंने ऑक्सीजोन, पुल, केलो रिवर फ्रंट, मरीन ड्राइव, नालंदा परिसर, खेल एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं का जायजा लेते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री चौधरी ने दूध डेयरी ऑक्सीजोन से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने गोवर्धनपुर में केलो नदी पर निर्माणाधीन पुल, खर्राघाट स्थित केलो रिवर फ्रंट, नालंदा परिसर, एसईसीएल रोड मरीन ड्राइव, कयाघाट पुल, मिनी स्टेडियम स्थित स्केटिंग रिंग, कौहाकुंडा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेडियम और एफसीआई ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, इंजीनियर और निर्माण एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर की अधोसंरचना को मजबूत कर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की गहन निगरानी की जा रही है, ताकि विकास कार्य तेजी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि औद्योगिक विकास के अनुरूप रायगढ़ में जिस स्तर की अधोसंरचना विकसित होनी चाहिए थी, वह लंबे समय तक अपेक्षित गति से नहीं बन पाई। इसके कारण शहर को यातायात, भारी वाहनों, दुर्घटनाओं, धूल और प्रदूषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

पीएम किसान सम्मान निधि की बचत से खरीदी पहली गाय, आज 10 गायों के साथ आत्मनिर्भर बने 75 वर्षीय परशुराम गुप्ता

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक संबल के साथ नई आजीविका की राह भी खोल रही है। रायगढ़ जिले के ग्राम महापल्ली निवासी 75 वर्षीय किसान श्री परशुराम गुप्ता ने योजना से मिली राशि की बचत कर गौ-पालन शुरू किया और आज वे सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय संचालित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रहे हैं।

वर्ष 2020 में श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दो-दो हजार रुपये की किस्तों को बचाकर करीब 10 हजार रुपये की पूंजी जुटाई। इसी राशि से उन्होंने पहली गाय खरीदी और गौ-पालन की शुरुआत की। मेहनत और अनुभव के साथ उन्होंने धीरे-धीरे अपने पशुधन में वृद्धि की। आज उनके पास 10 गायें हैं और वे प्रतिदिन करीब 100 लीटर दूध का उत्पादन कर स्थानीय डेयरी में 40 रुपये प्रति लीटर की दर से विक्रय करते हैं। इससे उनका मासिक कारोबार लगभग 1.20 लाख रुपये तक पहुंच रहा है।

परशुराम गुप्ता बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें पशुपालन का शौक रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिली राशि ने उन्हें इस रुचि को आजीविका के साधन में बदलने के लिए शुरुआती पूंजी उपलब्ध कराई। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं से मिलने वाली छोटी-छोटी आर्थिक सहायता का सही और योजनाबद्ध उपयोग किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। 75 वर्ष की उम्र में भी श्री गुप्ता पूरे उत्साह से गौ-पालन में जुटे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की बचत से शुरू हुआ उनका छोटा सा प्रयास आज एक सफल व्यवसाय का रूप ले चुका है। उनका अनुभव यह संदेश देता है कि मेहनत, अनुभव और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से उम्र आत्मनिर्भरता की राह में बाधा नहीं बनती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684